C M Y K

आज का विचार

मोह इतना न करें कि बुराइयां छुप जाएं, और नफरत भी इतनी न करें कि अच्छाइयां देख ही न पाएं।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा

वर्ष-25 अंक-343 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर मंगलवार 10 जून, 2025

मवेशियों को हॉक कर ले जाते चार लोगों को पकड़ पुलिस को सौंपा

कार्लोस अल्काराज ने रचा इतिहास

पहला कॉलम

कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 6,491 पहुंची, 24 घंटे में मिले 358 नए मामले

नईदिल्ली,09 जून (ए)। कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। पिछले 24 घंटे में 358 नए मरीज सामने आए हैं, जिससे भारत में सक्रिय मरीजों की संख्या 6,491 पहुंच गई है।

हालांकि, 24 घंटे के मामलों में कमी आई है। एक दिन पहले गुरुवार को 378 मरीज मिले थे।

अभी तक 6,861 मरीज ठीक हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में 624 मरीज ठीक हुए हैं। कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 65 पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक मरीज गुजरात में 158 और कर्नाटक में 57 मिले हैं। इससे यहां कुल मरीजों की संख्या क्रमशः 980 और 423 हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 54 मरीज, दिल्ली में 42, तमिलनाडु में 25 और महाराष्ट्र में 12 मरीज मिले हैं।

अभी बंगाल में कुल मरीज 747, उत्तर प्रदेश में 225, तमिलनाडु में 219, महाराष्ट्र में 607, कर्नाटक में 423, दिल्ली में 728 और राजस्थान में 128 हैं। राहत की बात यह है कि मंत्रालय ने पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना संक्रमण से कोई भी मौत न होने की सूचना दी है। वहीं, रविवार की बात करें तो देशभर में 6 मौतें दर्ज की गई थीं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, मरीज सिर्फ कोरोना वायरस से ही पीड़ित नहीं थे, बल्कि वो और भी बीमारियों से पीड़ित थे। यह 6 मौतें कर्नाटक (2), केरल (3), तमिल नाडु (1) में दर्ज की गई थी।

कुछ अलग

भीषण गर्मी से उत्तर भारत में हाल बेहाल, तापमान 40 डिग्री के पार

नईदिल्ली,09 जून (ए)। उत्तर भारत में गर्मी के तल्ख तेवरों ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले 5 दिनों तक इन राज्यों में भीषण गर्मी का दौर जारी रहेगा। 12 जून को तेज हवा के साथ बारिश होने से मौसम का मिजाज बदल सकता है, जिससे लोगों को गर्मी से काफी राहत मिलेगी।

राजस्थान में जून की शुरूआत के साथ ही सूरज की तपिश लोगों को झुलसा रही है। तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

रविवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान 47 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। अधिकांश जिलों में लू के हालात बने हुए हैं।

9 जून को मौसम शुष्क रहने के साथ तापमान 45-47 डिग्री के बीच रहेगा। कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

खरी-खरी

एडिश्नल एसपी आकाश गिरपुंजे शहीद

जगदलपुर। सोमवार की सुबह कोंटा में हुए एक नक्सली आईडी ब्लास्ट में एडिश्नल एसपी आकाश राव गिरपुंजे शहीद हो गये। इस ब्लास्ट के चपेट में आने से एडिश्नल एसपी गिरपुंजे गंभीर रुप से घायल हो गए थे,उन्हे अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती किया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस धमाके में सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) भानुप्रताप चंद्राकर और कोंटा थाना प्रभारीय सोनल ग्वाला भी घायल हो गए हैं।

बताया जाता है कि अतिरिक्त एसपी श्री आकाश राव, उप पुलिस अधीक्षक कोन्टा श्री भानुप्रताप चंद्राकर, निरीक्षक श्री सोनल गवला और अन्य जवानों के साथ क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा वाहन जलाने की घटना की जांच हेतु पैदल गश्त ड्यूटी पर थे।सर्च ऑपरेशन के दौरान इ्रश्वष्ठ विस्फोट हुआ, जिसमें श्री आकाश राव गिरपून्जे (अतिरिक्त एसपी कोन्टा), श्री भानुप्रताप चंद्राकर (अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, कोन्टा) एवं निरीक्षक श्री सोनल गवला (थाना प्रभारी, कोन्टा) घायल हो गए।

सभी घायलों को प्रारंभिक उपचार हेतु कोन्टा अस्पताल लाया गया। इ्रश्वष्ठ का सीधा प्रभाव लगने के कारण श्री आकाश राव गिरपून्जे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान श्री आकाश राव की मृत्यु हुई और वीरगति को प्राप्त हुए और उन्होंने वीरगति प्राप्त की।42 वर्षीय श्री आकाश राव गिरपून्जे, रायपुर जिले के निवासी थे और 2013 बैच के सीधी भर्ती डीएसपी थे। वे वर्ष 2024 से कोन्टा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवा दे रहे थे। वे छत्तीसगढ़ पुलिस के सबसे साहसी योद्धाओं में से एक थे, जिन्होंने मानपुर-मोहला और सुकमा जैसे वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दीं। अन्य घायल पुलिस अधिकारी - श्री भानुप्रताप चंद्राकर (अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, कोन्टा) एवं निरीक्षक श्री सोनल गवला (थाना प्रभारी, कोन्टा) फिलहाल खतरे से बाहर हैं और उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र में एयरलिफ्ट किया जा रहा है।

श्री आकाश राव गिरपून्जे के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार एवं गार्ड ऑफ ऑनर हेतु रायपुर लाया जा रहा है।छत्तीसगढ़ शासन, पुलिस मुख्यालय, समस्त नागरिक एवं पुलिस परिवार इस शोक की घड़ी में शहीद आकाश राव गिरपून्जे के परिजनों के साथ दृढ़ता से खड़ा है। उनका बलिदान हमारी इस प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करेगा कि हम भाकपा (माओवादी) जैसे क्रूर एवं षड्यंत्रकारी संगठन का समूल नाश करें।

शहीद पुलिस अफसर का पार्थिव शव पहुंचा रायपुर, आज अंतिम संस्कार

रायपुर। सुकमा में हुए आईईडी विस्फोट में शहीद अफसर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे का पार्थिव शरीर रायपुर पहुंच गया है। एयरपोर्ट पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम कमिश्नर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नम आंखों से वीर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। परिवारजन भी एयरपोर्ट में उपस्थित थे। जैसे ही पार्थिव शरीर एयरपोर्ट पर पहुंचा उसे पूरे राजकीय सम्मान के साथ मेकाहारा अस्पताल ले जाया गया हैं। जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राजकीय सम्मान के साथ शहीद अफसर का अंतिम संस्कार कल 10 जून को सुबह 9 बजे महादेव घाट में किया जाएगा।

बैंक की नौकरी छोड़ पुलिस में आए आकाश बहुत ही काबिल अफसर थे

00 पत्नी को घटना की जानकारी नहीं दी, मायके से लौट रही हैं

रायपुर। नक्सल विस्फोट में शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे की गिनती प्रदेश के होनहार पुलिस अफसरों में होती रही है। उन्हें मानपुर-मोहला में बेहतर पुलिसिंग के लिए विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाले आकाश पहले यूको बैंक के अफसर थे, और फिर बाद में राज्य पुलिस सेवा में आए। घटना की सूचना मिलने के बाद से परिजन स्तब्ध हैं। पत्नी स्नेहा अपने दोनों बच्चों के साथ छुट्टी में पवनी (महाराष्ट्र) मायके गई थी। एएसपी आकाश राव 11 तारीख को रायपुर आने वाले थे। उनकी पुत्री पीहू का जन्मदिन है। वो करीब पखवाड़ेभर पहले रायपुर आए थे, तब उनके पुत्र का जन्मदिन था।

चंगोराभाठा के पास पीएस सिटी कॉलोनी रहवासी कारोबारी गोविंद राव गिरपुंजे के दो बेटों में से बड़े आकाश राव गिरपुंजे अपने परिवार, और दोस्तों के बीच अक्कू के नाम से जाने जाते थे। उनके चाचा बसंत राव गिरपुंजे दो बार कांग्रेस के पार्षद रहे हैं। सुबह करीब 9 बजे के आसपास आकाश के पिता गोविंद राव को पुलिस ने नक्सल विस्फोट में घायल होने की सूचना दी। थोड़ी देर बाद उनके शहीद होने की सूचना आई। इसके बाद से पूरा इलाका शोकाकुल हो गया।

आकाश की पत्नी स्नेहा अपने दोनों बच्चों के साथ महाराष्ट्र के पवनी में अपने मायके में थी। वो भी रायपुर आने वाली थी। मगर उन्हें घटना की जानकारी दिए बिना तुरंत रायपुर बुलाया गया। एएसपी विवेक शुक्ला, आकाश के नजदीकी मित्रों में गिने जाते रहे हैं। वे भी तुरंत घर पहुंच गए,एसएसपी लाल उम्मेद सिंह भी पहुंचे थे।

आकाश रायपुर के दुर्गा कॉलेज से बी. कॉम किया था। कुछ समय उन्होंने कोचिंग क्लॉस में सेवाएं दी। इसके बाद यूको बैंक में प्रोबेजनरी अधिकारी के पद पर चयनित हुए। इसके बाद वर्ष 2013 में वो राज्य पुलिस सेवा के लिए चयनित हुए। आकाश ने मानपुर-मोहला, पाटन, महासमुंद और रायपुर में बतौर डीएसपी व एएसपी के पद पर सेवाएं दी। पिछले डेढ़ साल से कोंटा में बतौर एएसपी के पद पर पदस्थ थे।

नक्सलियों को इसका परिणाम भुगतना होगा और वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं - सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण आईईडी विस्फोट में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे जी के शहीद होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह अत्यंत ही दुखद है। मैं उनकी शहादत को नमन करता हूँ।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस कायराना हमले में कुछ अन्य अधिकारी एवं जवानों के भी घायल होने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा एक बड़ी लड़ाई लड़ी जा रही है, जिसमें सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है। इसी से बौखलाकर नक्सली इस तरह की कायराना करतूतों को अंजाम दे रहे हैं। नक्सलियों को इसका परिणाम भुगतना होगा, वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं, जब छत्तीसगढ़ से इनका अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे जी के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ी है।

नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इस कायराना कृत्य का माकूल जवाब दिया जाएगा - उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने सुकमा जिले के कोंटा क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी के विस्फोट में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश राव गिरपुंजे की शहादत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि श्री आकाश राव गिरपुंजे एक निष्ठावान, साहसी और कर्तव्यपरायण अधिकारी थे, जिन्होंने बस्तर के जंगलों में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान की परवाह किए बिना सेवाएं दीं। उनकी वीरगति को मेरा और पूरे छत्तीसगढ़वासियों की ओर से कोटि-कोटि नमन। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस कायराना हमले में घायल हुए अन्य जवानों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा दल उनकी देखभाल में तत्परता से जुटा हुआ है। उपमुख्यमंत्री ने इस निंदनीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लगातार हो रही सुरक्षाबलों की कार्रवाइयों से नक्सली बौखलाए हुए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोहराया कि बस्तर से नक्सलवाद की काली छाया को पूरी तरह समाप्त करने का हमारा संकल्प अडिग है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इस कायराना कृत्य का माकूल जवाब दिया जाएगा।

ठाणे रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा, चलती ट्रेन से गिरे यात्री... 3 की मौत

- चलती लोकल ट्रेन से गिरे यात्री, महाराष्ट्र के ठाणे में बड़ा हादसा
- अब तक ३ लोगों की मौत की हुई पुष्टि, कई गंभीर रूप से घायल
- रेलवे पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची

ठाणे (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक बड़ा रेल हादसा सामने आया है, जिसने लोकल ट्रेनों की भीड़भाड़ से जुड़ी समस्याओं को फिर से उजागर कर दिया है। सोमवार सुबह मुंब्रा और दीवा रेलवे स्टेशन के बीच एक भयावह घटना घटी, जब चलती लोकल ट्रेन से कई यात्री नीचे गिर गए। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

कैसे हुआ हादसा ?

हादसा उस वक्त हुआ जब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस की ओर जा रही कसारा लोकल ट्रेन और पुष्पक एक्सप्रेस एक-दूसरे को क्रॉस कर रही थीं। इस दौरान लोकल ट्रेन में अत्यधिक भीड़ थी, और कुछ यात्री ट्रेन के दरवाजे के पास लटकते हुए यात्रा कर रहे थे। जैसे ही ट्रेन मुंब्रा और दीवा स्टेशन के बीच पहुंची, अचानक कुछ यात्री अपना संतुलन खो बैठे और नीचे गिर गए।

३ यात्रियों की मौके पर ही हुई मौत

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी का इलाज जारी है।

ट्रेन में ज्यादा भीड़ के कारण हुआ हादसा

रेलवे सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि हादसा ट्रेन में अत्यधिक भीड़ के कारण हुआ। लोकल ट्रेनों में दरवाजे स्वचालित नहीं होने और पर्याप्त सुरक्षा उपाय न होने के कारण अक्सर इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं। मुंबई की लोकल ट्रेनें देश की सबसे व्यस्त और भीड़भरी ट्रेनों में से हैं। रोजाना लाखों यात्री इन ट्रेनों से सफर करते हैं। लेकिन, अत्यधिक भीड़ और बुनियादी सुरक्षा की कमी के चलते इस तरह की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं।

गार्ड ने दी थी हादसे की सूचना

सेंट्रल रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर स्वप्निल नीला ने बताया कि कसारा लोकल ट्रेन के गार्ड ने सोमवार सुबह करीब ९:३० बजे घटना की सूचना कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद घायल यात्रियों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यात्री किस ट्रेन से गिरे थे। रेलवे अधिकारी हादसे के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं और घटना के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

रेलवे प्रशासन ने हादसे की जांच के दिए आदेश

रेलवे प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं और कहा है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और यात्री सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने की योजना बनाई जा रही है।

फिलहाल, हादसे में घायल यात्रियों का इलाज जारी है। प्रशासन यात्रियों से अपील कर रहा है कि वे भीड़भाड़ वाले समय में विशेष सावधानी बरतें और ट्रेन के दरवाजों के पास खड़े होने से बचें।

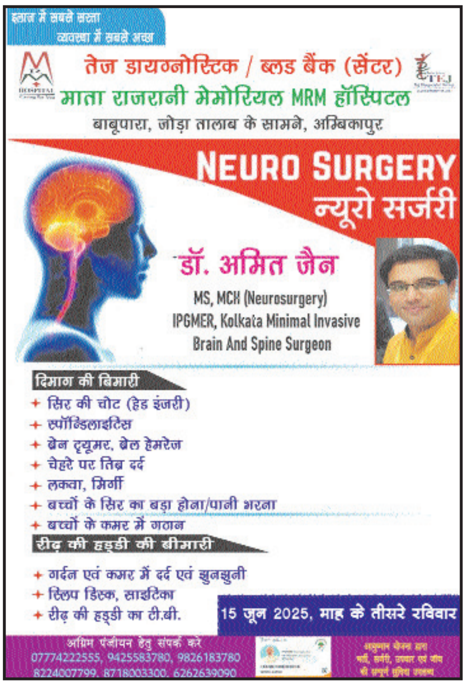

C M Y K

क्यों खराब हो जाता है आपका फ्रिज

क्या आपका भी फ्रिज बार- बार खराब हो जाता है? कई लोग को पता भी नहीं होता कि उनका फ्रिज किन गलतियों के कारण खराब हो गया है। ऐसे में आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताने वाले हैं कि कैसे आप अपने फ्रिज को खराब होने से बचा सकती है।

कई बार हमारी छोटी गलती के कारण हमारा काफी बड़ा नुकसान हो जाता है। क्या आपका भी फ्रिज बार- बार खराब हो जाता है? कई लोग को पता भी नहीं होता कि उनका फ्रिज किन गलतियों के कारण खराब हो गया है। ऐसे में आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताने वाले हैं कि कैसे आप अपने फ्रिज को खराब होने से बचा सकती है। साथ ही यह भी बताने वाले हैं कि फ्रिज कैसे खराब हो जाता है।

सफाई सही से करें

कई बार फ्रिज में कोई सामान गिर जाता है और हम इसकी सफाई सही तरीके से नहीं करते हैं। फ्रिज की सफाई सही तरीके से करना काफी ज्यादा जरूरी है। ऐसे में फ्रिज में फंगस लग जाता है और मिनटों में हमारा महंगा फ्रिज खराब होने लगता है और हमें पता भी नहीं चलता। कई बार हम इसके लिए कंपनी में शिकायत करते हैं। इस दौरान गलती किसी और की नहीं बल्कि हमारी ही होती है। कई बार हम फ्रिज में जरूरत से ज्यादा सामान रख देते हैं। ऐसे में भी हमारा फ्रिज खराब हो जाता है। फ्रिज की सही तरीके से केयर करने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अगर आप ज्यादा सामान रखती हैं तब भी आपका फ्रिज खराब हो सकता है।

फ्रिज को लंबे समय तक खुला ना छोड़े

कई बार हम फ्रिज को लंबे समय तक खुला छोड़ देते हैं। इसके कारण भी हमारा फ्रिज खराब हो जाता है। अगर आप भी अपने पैसे फ्रिज के रिपेयरिंग में बर्बाद नहीं करना चाहती हैं तो आपको इन बातों का खास ख्याल रखना होगा।

बाहर जाते वक्त फ्रिज बंद ना करें

अगर आप बाहर जाने का प्लान बना रही है तो आपको अपने फ्रिज को पूरे तरीके से बंद नहीं करना चाहिए। कई बार इसके कारण भी फ्रिज खराब हो जाता है। आगे से आपको इस बात का खास ख्याल रखना होगा। थोड़ी सी बिजली बचाने के चक्कर में हमारा काफी ज्यादा नुकसान हो जाता है।

ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जाती। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यही मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खत्म होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीदें ट्रैंडी जींस

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती है। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रेंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दे सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रेंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रेस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी यूनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोड पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलाने दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं- शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली को और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें।

फटाफट खबरें

अनियंत्रित होकर पलटी थार कार

कोरबा कोरबा-पश्चिम में गेवरा कोलफील्ड्स के गरुड़ नगर कॉलोनी के पास अर्ध रात्रि एक नई थार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। यह हादसा सेंटर वर्कशॉप रोड पर हुआ, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। स्थानीय राहगीरों का कहना है कि हादसा देर रात का हो सकता है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कार में कितने लोग सवार थे और कौन-कौन घायल हुए हैं। लेकिन घटना की सूचना मिलते ही दीपका पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार जिस थार वाहन से हादसा हुआ है, वह हाल ही में खरीदी गई लग रही है।फिलहाल पुलिस हादसे की पूरी जानकारी जुटा रही है। दीपका पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं, ड्राइविंग के दौरान पूरी सावधानी बरतें और रात में विशेष सतर्कता रखें।

अवैध कबाड़ के विरुद्ध पुलिस ने की कार्यवाही

कोरबा कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक रवींद्र कुमार मीणा एवं नगर पुलिस अधीक्षक दर्री विमल कुमार पाठक के निर्देशन में अवैध कबाड़ के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 07 जून को थाना दीपका पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि मलगांव क्षेत्र में कुछ अज्ञात व्यक्ति चोरी के लोहे के सरिया, रॉड एवं अन्य कबाड़ को पिकअप, ऑटो एवं अन्य वाहनों से परिवहन कर रहे हैं। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मलगांव में दबिश दी गई, जहाँ पाँच वाहनों से बड़ी मात्रा में अवैध कबाड़ बरामद किया गया। इस संबंध में चार कथित आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए थाना दीपका में इस्तगासा क्रमांक 08-11/2025 धारा 106 बीएनएसएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

हत्या का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोरबा . प्रार्थी द्वारा थाना उरगा में उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 06 जून को दोपहर 12.30 बजे अपने घर में बैठा था। तभी उसने देखा की एक पड़ोसी उसके घर के पीछे आम पेड़ पर आम तोड़ने के लिये चढ़ा हुआ हैं, तो प्रार्थी ने भी उससे आम फल मांगा, जिस पर उसने फल देने से मना कर दिया। प्रार्थी ने आरोप लगाते हुए बताया की उसे आम फल तोड़ने से मना किया, तब पड़ोसी आम पेड़ से उतर कर अपने घर गया और घर से टांगी लेकर आया और आज तुझे जान से मारकर दूंगा बोलने लगा, उस समय प्रार्थी अपने घर के पास पत्थर में बैठा हुआ था तभी पीछे तरफ से गर्दन में टांगी से मारा तो प्रार्थी थोड़ा झुक गया इस कारण से गर्दन में नहीं पड़ते हुए गर्दन के पीछे भाग नाजुक जगह मे मारने से गंभीर चोट लगी गर्दन के पीछे गंभीर चोंट लगने से उपचार उपरांत रिपोर्ट दर्ज कराया प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध धारा सदर कायम कर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी उरगा द्वारा घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया एवं वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार थाना प्रभारी उरगा एवं उनके मातहत कर्मचारियों के द्वारा कथित आरोपी के विरूद्ध प्रथम दृष्टया अपराध धारा का अपराध घटित करना पाये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर आरोपी का न्यायिक रिमाण्ड भेजा गया है।

संजय नगर रेलवे फाटक पर अटका अंडरब्रिज निर्माण कार्य

2018 से स्वीकृत अंडरब्रिज के अब तक अधूरा रहने से आम नागरिक हो रहे हलाकान

● **कोरबा,**

कोरबा शहर के मध्य सड़क से गुजरी रेल लाइन के कारण यातायात व्यवस्था हमेशा प्रभावित होती है। सबसे अधिक समस्या संजय नगर (सुनालिया) रेलवे फाटक पर होती है। यहां रेलवे द्वारा अंडरब्रिज बनाने के लिए वर्ष 2018-19 में ही स्वीकृति दे दी गई थी।

इसके अंतर्गत अलग-अलग विभागों के बीच सामंजस्य बिठाने के बाद अंततः प्रस्तावित अंडरब्रिज के दायरे में आने वाले मकानों, दुकानों को तोड़ने का काम शुरू किया गया। अंडरब्रिज से प्रभावितों में शामिल 4 लोगों ने अपना कब्जा छोड़ने से इंकार करते हुए न्यायालय की शरण में चले गए। जिसके कारण अंडरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पायी है। आगे भी इसके जल्दी शुरू होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। जिले में 15 जून के बाद मानसून सक्रिय हो जाता है। न्यायालय से मामले का जब तक पटाक्षेप नहीं हो जाता तब तक कार्य आगे भी नहीं बढ़ पाएगा।

अंडरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सबसे पहले दायरे में आने वाले कब्जा को हटाना जरूरी है। अंडरब्रिज निर्माण क्षेत्र से प्रभावित होने वाले 95 लोगों में 88 लोगों का कब्जा प्रशासन ने हटवा (तोड़) दिए हैं। तोड़ा गया कब्जा रेलवे व सिंचाई विभाग की जमीन पर होना बताया गया है। जबकि 4 लोगों ने अपनी व्यक्तिगत जमीन बताते हुए कब्जा हटाने से इंकार कर दिया है। साथ ही प्रशासन के खिलाफ जिला न्यायालय में याचिका दायर कर दिए हैं। जिसकी सुनवाई अभी नहीं हो पायी है।

निर्माण एजेंसी हैं पीडब्ल्यूडी सेतु निगम

संजय नगर सुनालिया रेलवे क्रासिंग पर अंडरब्रिज निर्माण के लिए 90 प्रतिशत जमीन क्लीयर कर ली गई है।

प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के साथ ही जमीन का आधिपत्य पीडब्ल्यूडी सेतु निगम को सौंप दिया है। क्योंकि अंडरब्रिज का निर्माग इस विभाग को ही करना है। लेकिन शेष 10 प्रतिशत जमीन क्लीयर नहीं हो पाने के कारण अब तक निर्माण एजेंसी द्वारा निविदा की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की जा सकी है। निविदा की प्रक्रिया अगर आज शुरू होती है तो भी कम से कम 3 माह लग जाएंगे।

फाटक पर आगे भी बनी रहेगी परेशानी

अंडरब्रिज निर्माण के जो हालात वर्तमान में हैं, उससे साफ है कि आगे भी परेशानी बनी रहने वाली है। फाटक बंद होने के कारण दोनों दिशाओं से आने जाने वाले लोगों को अभी भी वहां खड़े होकर लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ेगा। निर्माण की प्रक्रिया में जो रुकावट आई है, उसके समाधान का रास्ता भी आसान नहीं दिख रहा है। कुल मिलाकर सुनालिया फाटक पर अंडरब्रिज की सुविधा कब तक नगरवासियों को मिल सकेगी इस पर कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगा।

हटाए कब्जे पर लोग पुनः हो रहे काबिज

अंडरब्रिज के लिए तोड़े गए दुकानों के साथ मकानों के स्वामियों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि उन्हें तो बेदखल कर दिया गया है कि लेकिन 5 माह हो गए पर काम तक शुरू हो पाया है। इस स्थिति को देखते हुए अधिकांश लोग मौके पर बने हुए हैं। हालांकि उनकी ओर से कोई विरोध नहीं है। उनका कहना है कि जब अंडरब्रिज का काम शुरू होगा तब वे अपना आधिपत्य स्वयं हटा लेंगे। क्योंकि हटाने के लिए उनके पास तोड़े गए घर के अलावा कुछ भी नहीं है।

88 लोगों का हटाया जा चुका है कब्जा

आज भी अंडरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सबसे पहले दायरे में आने वाले कब्जा को क्लीयर करना है। अंडरब्रिज निर्माण क्षेत्र से प्रभावित होने वाले 95 लोगों में 88 लोगों का कब्जा प्रशासन ने हटवा (तोड़) दिए हैं। तोड़ा गया कब्जा रेलवे व सिंचाई विभाग की जमीन पर होना बताया गया है। जबकि 4 लोगों ने अपनी व्यक्तिगत जमीन बताते हुए कब्जा हटाने से इंकार कर दिया है। साथ ही प्रशासन के खिलाफ जिला न्यायालय में याचिका दायर कर दिए हैं। जिसकी सुनवाई अभी नहीं हो पायी है।

जून में मानसून सक्रिय होने की संभावना, बाढ़ आने पर उससे निपटने की तैयारियों पर हुआ विचार-विमर्श

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाढ़ आदि नैसर्गिक विपत्तियों से निपटने हेतु गठित उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती ऋचा शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बरसात के मौसम में राज्य के जिलों के विभिन्न स्थानों पर बाढ़ आने पर उससे निपटने की तैयारियों के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बाढ़ के दौरान विभिन्न स्थानों पर राहत शिविरों की व्यवस्था सहित राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाली कार्यवाही एवं तैयारियों के संबंध में व्यापक चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि राज्य के सभी जिलों के कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को आगामी मानसून 2025 में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत एवं राहत व्यवस्था करने के संबंध में भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेर्शानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए है। बैठक में राज्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में माह जून में मानसून सक्रिय होने की संभावना है। इसलिए सभी जिलों में वर्षा की जानकारी संकलित की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना भी की गई है। इसका दूरभाष क्रमांक 0771-2223471 एवं फैक्स क्रमांक 0771-2223472 है। इसके अतिरिक्त बाढ़ नियंत्रण कक्ष से 0771-2221242 दूरभाष पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। इसके अलावा जिला स्तर पर भी बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना की गई है। बैठक में बताया गया कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पहुंचविहीन क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, नमक, केरोसिन, जीवन रक्षक दवाईयां, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा दलों का गठन सहित अन्य जरूरी सामग्री अभी से संग्रहित करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दे दिए गए है। बरसात के दिनों में पेयजल स्त्रोतों के आस-पास साफ-सफाई एवं वहां पर ब्लिचिंग पावडर की व्यवस्था करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए गए है। इसी प्रकार से ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर ली जाए। जहां प्रतिवर्ष प्रायः बाढ़ आती ही है। इन क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने एवं अवश्यकता पड? पर वहां के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनके ठहरने के लिए राहत शिविर आदि की समूचित योजना बनाने के निर्देश दिए गए है। बाढ़ से बचाव संबंधित उपकरणों की मरम्मत करने और जिन जिलों में मोटरबोट उपलब्ध है उनकी जानकारी शीघ्र ही राहत कार्यालय को दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए नगर सेना एवं नागरिक सुरक्षा के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों को नगरीय क्षेत्रों में तमाम नालियों की साफ-सफाई बरसात के दिनों में निरंतर कराये जाने कहा गया है।

मुस्लिम समाज के लोगों ने अदा की ईद-उल-अजहा की नमाज

हिंदुस्तान सलामती और अमन-चैन दुआएं की गई

जिला एमसीबी ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार भाईचारे के साथ मनाया जाता है मोहरपारा अरब बाबा मस्जिद और बड़े ईदगाह में नमाज अदा की गई सुबह से ही तैयारी की गई थी हजारों लोगों ने एकजुट होकर मुसलमानों भाइयों ने हिंदुस्तान सलामती और अमन-चैन की दुआएं मांगी गई वहीं जिला एमसीबी मनेन्द्रगढ़ में मस्जिदों और ईदगाह में भी बकरीद की नमाज अदा की गई।

नमाज़ के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी,मुस्लिम भाई नमाज़ के बाद घर खरीदे हुए अपने-अपने बकरों की कुर्बानी अल्लाह के हुक्म को पूरा करते हैं फिर कुर्बानी का गोश्त तीन किस्मों में रखा जाता है, एक हिस्सा अपने लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए, और तीसरा हिस्सा गरीबों और दोस्तों के लिए जाता है जिला एमसीबी में सभी समाज के लोग मिलजुल कर मानते हैं और एक दूसरे को बधाइयां देते हैं क्योंकि हिंदुस्तान में एकता की मिसाल है।

माओवादी हिंसा पर सरकार सख्त, लेकिन बातचीत को तैयार: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर . छत्तीसगढ़ में माओवादी समस्या को लेकर राज्य सरकार का रुख स्पष्ट है—आतंक पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ मुख्यधारा में लौटने वालों के लिए पुनर्वास का अवसर भी खुला है। यह बात राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार दोनों माओवादियों से संवाद के लिए तैयार हैं, बशर्ते माओवादी हिंसा छोड़कर वार्ता की पहल करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी अपील है कि माओवादी मुख्यधारा में लौटें।

पुनर्वास की नीति काफी मजबूत है और इसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में बीते तीन दिनों से चल रहे माओवाद विरोधी ऑपरेशन को लेकर शर्मा ने बताया कि डीआरजी जवानों का सर्च अभियान 5 जून से पूर्व ही प्रारंभ हो गया था। 5 जून को एक सीसी सदस्य को मार गिराने के बाद, अगले दिन तेलंगाना स्पेशल जोनल कमेटी के एक प्रमुख नक्सली को ढेर किया गया।

विगत 7 दिन से पानी के लिए चल रहा संघर्ष

परेशान हो रही जनता, सरपंच और अधिकारी उदासीन

कोरबा कोरबा जिलान्तर्गत पौड़ी-उपरोड़ा विकासखंड मुख्यालय में जलप्रदाय व्यवस्था पिछले 7 दिन से बाधित है। गर्मी के मौसम में लोगों को पानी प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बताया जा रहा हैं की लोगों ने तकनीकी समस्या की जानकारी कई स्तर पर दी है लेकिन हल करने के लिए किसी ने ना तो काम किया और ना ही विकल्प दिया। विकासखंड मुख्यालय की आबादी को उसकी जरूरत की पूर्ति के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा जल प्रधान योजना विकसित की गई। बोरवेल के जरिए ओवरहेड टैंक में पानी पहुंचता है और फिर इसकी उपलब्धता नलों के जरिए लोगों तक होती है। काफी समय से जलप्रदाय व्यवस्था को संचालित करने की जिम्मेदारी स्थानीय ग्राम पंचायत पर है। वर्तमान में ग्राम पंचायत पानी से जुड़ी समस्या को हल करने के लिए कुछ नहीं कर रही है या कर पा रही है। लोगों का कहना है कि पहली बार इस पंचायत में जिसको सरपंच चुना गया उनकी भूमिका अब तक शून्य है। वजह यह है कि चुनाव के कई महीने बाद सरपंच को उसके पद का प्रभार नहीं मिल सका है। इसलिए जलप्रदाय की तकनीकी समस्या दूर करने के लिए वह गंभीर नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री साय एवं मंत्रिमंडल का चिंतन शिविर 2.0 शुरू

रायपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों का दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 आज आईआईएम रायपुर में प्रारंभ हो गया है। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर (आईआईएम) के सहयोग से दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात आज 'परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शी शासन', संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण तथा सक्षमता से सततता तक- विकास के लिए सार्वजनिक वित्त पर पुनर्विचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय शिविर के दौरान भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, प्रो. हिमांशु राय (डायरेक्टर आईआईएम इंदौर), डॉ. रविंद्र ढोलकिया (आईआईएम अहमदाबाद), संजीव सान्याल (प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद सदस्य), पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक उदय माहुरकर, ग्लोबल डिजिटल स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता जैसे ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ विभिन्न सत्र को संबोधित करेंगे।

आईआईएम रायपुर में दो दिवसीय शिविर का आयोजन

वाहन चालक संघ द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

कोरबा।

कोरबा अंचल के निहारिका क्षेत्र स्थित ओपन थिएटर घंटाघर चौराहा पर वाहन चालक मालिक संघ द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन बिलासपुर ब्लड बैंक के सहयोग से हुआ। कई बार ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जब पीड़ितों की जिंदगी बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। इसका प्रबंध करने के लिए पीड़ितों के परिजनों को कई प्रकार की समस्याओं को झेलना पड़ता है। कोरबा जिले के सरकारी और निजी ब्लड बैंको की प्यास बुझाने के लिए जन भागीदारी को जरूरी समझा गया है। कोरबा में वाहन चालक मालिक संघ के द्वारा इसी सिलसिले में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में संगठन के सदस्यों के साथ-साथ आम लोगों ने यहां पहुंचकर अपनी भूमिका निभाई। इसी कड़ी में एक मनोहर लाल नामक व्यक्ति ने बताया कि वह इस रास्ते से गंतव्य को जा रहे थे, जब उन्होंने एक अच्छी थीम के साथ आयोजन को देखा तो उनके मन में रक्तदान करने का विचार आया। वाहन चालक मालिक संघ के अध्यक्ष बादल विश्वास ने बताया कि काफी समय से सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत उनका संगठन कोशिश कर रहा है। खास तौर पर विभिन्न मामलों में रक्त की जरूरत पड़ती है कई बार ऐसा होता है, जब अलग-अलग समूह का ब्लड तलाशने के लिए लोग परेशान होते हैं। हमने तय किया कि अलग-अलग समय पर इस प्रकार से शिविर लगाए जाएंगे ताकि इसके माध्यम से ब्लड बैंकों की जरूरत पूरी होगी और अपनी शर्तों के तहत हम जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध करा सकेंगे।

रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर लेख

रायपुर। भारत के इतिहास में कुछ महिलाएं ऐसी रही हैं जिनका जीवन आने वाली पीढि ?ों के लिए आदर्श बन गया। उन्हीं में से एक हैं राजमाता अहिल्याबाई होलकर, जिनकी 300वीं जयंती पर हम श्रद्धा और गर्व के साथ उन्हें स्मरण कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं उन्हें सादर नमन करती हूं और उनके आदर्शों को आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में दोहराते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की नारी सशक्तिकरण योजनाओं की चर्चा करना चाहती हूं। रानी अहिल्याबाई होलकर का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। एक युवा विधवा के रूप में उन्होंने न केवल स्वयं को संभाला, बल्कि संपूर्ण मालवा राज्य को कुशलता से चलाया। वे प्रशासन, धर्म, सामाजिक समरसता और दान की मिसाल थीं। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे स्थानों पर पुनर्निर्माण कार्य कर भारतीय संस्कृति और आस्था की रक्षा की। उनके कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि यदि नारी को अवसर और अधिकार मिले, तो वे समाज और राष्ट्र दोनों को दिशा दे सकती हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में, अहिल्याबाई होलकर के पदचिन्हों पर चलते हुए नारी सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महतारी वंदन योजना - छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना की शुरूआत की है। इस योजना के तहत पात्र विवाहित, विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है। अबतक लगभग 70 लाख महिलाओं को 15 किश्तो में 9788.78 करोड़ रूपए सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। महिला स्वावलंबन योजनाए - राज्य सरकार ने महिला स्व-सहायता समूहों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से स्वरोजगार योजनाएं प्रारंभ की और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की ठोस पहल की है। इन पहलों से लाखों महिलाएं अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टॉप सेंटर, फास्ट ट्रैक कोर्ट, विधिक सहायता जैसे उपाय सुनिश्चित किए गए हैं ताकि हर महिला को न्याय मिले और वह भयमुक्त जीवन जी सके। रानी अहिल्याबाई होलकर जी ने जिस समाज की कल्पना की थी। उसे साकार करने के लिए हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान के चार स्तंभों पर कार्य करना होगा। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है, ताकि हर बालिका अपने सपने को साकार कर सके और हर महिला समाज में नेतृत्व की भूमिका निभा सके। अहिल्याबाई होलकर जी की जयंती केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि संकल्प का अवसर है। संकल्प इस बात का कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक सशक्त और समरस समाज का निर्माण करेंगे। मैं समस्त प्रदेशवासियों से अपील करती हूं कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और नारी शक्ति को राष्ट्र शक्ति में बदलने की दिशा में योगदान दें। जब नारी सशक्त होगी तभी विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प साकार होगा।

तालिबानी सोच न थोपे प्रशासन

अजीत जोगी की प्रतिमा नहीं लगी तो होगा आंदोलन: अमित जोगी

● **रायपुर,**

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा को हटाए जाने को लेकर जनता कांग्रेस जोगी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक महीने के भीतर प्रतिमा को पुनः स्थापित नहीं किया गया, तो पार्टी बड़ा जन आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिमा हटाने वालों को वह व्यक्तिगत रूप से माफ करते हैं, लेकिन इस कृत्य से प्रदेशवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। 25 मई को गौरेला में अजीत जोगी की प्रतिमा को कथित तौर पर हाइड्रा मशीन से हटाया गया था। इसे लेकर अमित जोगी ने रायपुर में पत्रकार वार्ता कर राज्य शासन और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि घटना को दो हफ्ते बीत जाने के बावजूद अब तक दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है और वे खुलेआम घूम रहे हैं।

अमित जोगी ने स्पष्ट किया कि प्रतिमा जिस भूमि पर स्थापित थी, वह जोगी परिवार की स्वामित्व वाली निजी भूमि है, जिसे वर्ष 1932 में उनके पूर्वजों ने क्रय किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि यह भूमि निजी है, तो प्रशासन द्वारा प्रतिमा को हटाने की कार्रवाई किस आधार पर की गई। प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने भाजपा नेताओं से अपील की कि इस मुद्दे को राजनीतिक रंग न दिया जाए।

उन्होंने कहा, किसी भी महापुरुष की प्रतिमा को तोड़ना या हटाना असामाजिक कृत्य है। शासन यदि ऐसे कृत्य करने वालों को संरक्षण देता है, तो यह तालिबानी मानसिकता को बढ़ावा देने जैसा है। पत्रकार वार्ता में अमित जोगी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से सवाल किया कि क्या कोई किसी की निजी जमीन पर बिना अनुमति प्रतिमा लगा सकता है या हटा सकता है? उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले गौरेला आने की बात कही थी, लेकिन वहां प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री की प्रतिमा को ही हटा दिया गया।

अमित जोगी ने घोषणा की कि यदि सरकार एक महीने में प्रतिमा को पुनः स्थापित नहीं करती, तो वे स्वयं अजीत जोगी की प्रतिमा लेकर आएंगे और उसे पूर्व स्थान पर पुनः स्थापित करेंगे। उन्होंने इस मुद्दे को जनता के आत्मसम्मान और छत्तीसगढ़ी स्वाभिमान से जोड़ते हुए इसे जन आंदोलन में बदलने की चेतावनी दी।

महिला पर भालू ने किया हमला महिला घायल

कोरबा कोरबा जिले के कटघोरा वन मंडल अंतर्गत पाली रेंज में भालू के आतंक से लोग परेशान हैं। बताया जा रहा हैं की ग्राम पंचायत मुरली में भालू ने घर के आंगन में सो रही महिला पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर परिजन दौड़े तो भालू जंगल की ओर भाग गया। स्वास्थ्य केंद्र पाली में भर्ती कराया है। ग्राम मुरली निवासी का मकान जंगल के किनारे है। रात में सभी लोग आंगन में ही सो रहे थे। उसकी पत्नी भी आंगन में सोई थी। रात लगभग 2 बजे भालू आंगन में पहुंचा और महिला पर हमला कर दिया। वह शोर मचाने लगी तो पास ही मौजूद परिजन दौड़े और भालू को जंगल की ओर भगाया। हमले से महिला घायल हो गई।

अम्बिकावाणी
बैकुण्ठपुर मंगलवार 10 जून, 2025

सम्पादकीय

जीवन में सबसे बड़ा प्रश्न है-मृत्यु। मृत्यु का उत्तर है-जीवन।
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

बस्तर एलडब्लूई सूची से बाहर

हाल में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राज और सेंट्रल कमेटी नेता चलपति के मारे जाने के बाद से ही वामपंथी अतिवादी हलकों में पसरा सन्नाटा उनके हौसले टूटने का संकेत दे रहा है। यह छत्तीसगढ़ राज्य विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं-ये हैं- बस्तर (मुख्यालयः जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर (जो पूर्व में दंतेवाड़ा से अलग हुआ)। हालांकि बस्तर जिला अब एलडब्लूई सूची से बाहर हो चुका है, लेकिन बस्तर संभाग के अन्य कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। हालांकि नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को मिल रही सफलता इस पूरे क्षेत्र को मार्च, 2026 से काफी पहले ही वामपंथी अतिवादी हिंसा से मुक्त कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

आदिवासियों के जल, जमीन और जंगल पर हक की लड़ाई के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अतिवादी हिंसा में परिणत होकर रास्ता भटक चुका था। पिछले तीन-चार दशकों में इस हिंसा में भारी खूनखराबा हुआ है और इलाके का विकास कई दशक पीछे चला गया है। हिंसा में अब तक 2000 से अधिक ग्रामीण और सुरक्षा बलों के 1400 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं। स्थानीय लोग हिंसा से आजिज आ चुके हैं। सुरक्षा बलों को अभियानों में मिल रही कामयाबी में स्थानीय लोगों का साथ मिलना काबिलेगौर तथ्य है।

सुरक्षा बलों में स्थानीय भाषा, संस्कृति और क्षेत्र के चप्पे-चप्पे के जानकार स्थानीय लोगों की भर्ती कारगर साबित हुई है जिसने माओवादियों के प्रचार अभियानों को भारी नुकसान पहुंचाया और उनके छिपने के ठिकानों की संख्या सीमित कर दी। सुरक्षा बलों को मिला तकनीक का साथ भी कारगर रहा। सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी ने भी उल्लेखनीय काम किया है। नेतृत्व के अभाव में उनके कैडर में दिशाहीनता की स्थिति है। यह लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र के सिमटते जाने की निशानी है। उम्मीद है कि क्षेत्र में प्रगति और विकास कार्य के रास्ते खुलेंगे।

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटना सिर्फ राज्य ही नहीं अपितु पूरे देश के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मार्च, 2026 तक देश को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने की घोषणा के बाद से ही सुरक्षा बल जी-जान से नक्सल विरोधी अभियान में जुटे हुए हैं।

विषैली शराब से मौत का तांडव

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

पिछले पांच सालों में जहरीली शराब पीने से पंजाब में 176 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अपंग होने वाले भी कम नहीं रहे। महिलाएं भी इन आंकड़ों में हैं। 29 जुलाई, 2020 को विषैली शराब से पंजाब में पहली मौत की खबर अमृतसर जिले के एक गांव से आई थी किंतु अगस्त तक अमृतसर, गुरुदासपुर और तरनतारन के तीन जिलों में मौतों का आंकड़ा 105 पहुंच गया था। तब विपक्षी दल शिरोमणि अकाली दल का आरोप था कि मंत्रियों और विधायकों के संरक्षण में राज्य में अवैध शराब का धंधा पनप रहा है।

जवाब में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरेन्द्र सिंह ने याद दिलाया था कि 2012 व 2019 में ऐसी ही घटनाएं अकाली सरकार के दौरान हुई थीं।

अब आप सरकार के कार्यकाल में भी दो बार जहरीली शराब पीने से मौत का तांडव हो चुका है। पहली बार का कांड संगरूर में हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का यह गृह जिला है। उनके मंत्रिमंडल में दो अन्य मंत्री भी इसी जिले से आते हैं। मुख्यमंत्री के वहां पहुंचने पर गांव वालों का कहना था कि क्षेत्र में शराब का धंधा खुले आम चल रहा है। जहरीली शराब से मौतों का नवीनतम मामला अमृतसर के मजीठा का है, जहां जहरीली शराब पीने से पांच-छह गांवों के 27 लोगों की मौत हुई। मरने वालों में अधिकांश ईट-भों और खेतों में काम करने वाले मजदूर थे। सोलह संदिग्ध अपराधियों की गिरफतारी भी हो चुकी है। इनमें दिल्ली और लुधियाना के व्यापारी भी हैं।

जहरीले शराब कांडों में सबसे पहले ढूंढ़ उन व्यापारी या आपूर्तिकताओं की ही होती है, जो एलकोहल आदि रसायनों को अवैध रूप से जहरीली शराब बनाने वालों को बेच देते हैं। 29 जुलाई, 2020 के विषैली शराब कांड में मिथनॉल के तीन ड्रम लुधियाना के एक पेंट दुकानदार से लिए गए थे। मजीठा में भी मिथनॉल का उपयोग हुआ था। मिथनॉल, ईथनॉल से सस्ता पड़ता है। उसे हल्का या डायल्यूट करके शराब बनाई जाती है। ज्यादा किक वाली बनाने के लिए उसमें न जाने क्या-क्या डाल दिया जाता है।

अमृतसर के सांसद गुरुजीत सिंह औजला का इस कांड पर कहना है कि अवैध शराब और ड्रग्स के धंधेबाजों की आबकारी और पुलिस विभाग वालों से सांठगांठ है। मजीठा में शराब पुलिस चौकी से केवल 200 मीटर की दूरी पर बेची जा रही थी किंतु मजीठा कांड के बाद सामाजिक संदभरे में खास बात यह हुई है कि विभिन्न आलेखों और विश्लेषणों से ऐसा नैरेटिव उभारा गया है कि सरकार आम जन या आम पियक्कड़ के हित में सस्ती शराब उपलब्ध कराए तो जहरीली शराब कांडों की त्रासदी पर लगाम लगेगी। मजीठा कांड पर सांसद औजला का कहना था कि सरकार की शराब के दाम बढ़ा कर मंहगी करने की नीति के कारण ही गरीब सस्ती और नकली शराब पीने को मजबूर हैं।

पिछले पांच सालों में पंजाब में जहरीली शराब पीने से 176 लोगों की मौत हुई हैं। शराब की ज्यादा दुकान खोलने और उनको महंगी करने के पीछे सरकारी तर्क है कि इससे लोग नकली और जहरीली शराब नहीं पियेंगे और उनके पास सही शराब पीने का विकल्प रहेगा। शराब जब महंगी होगी तो कम लोग पियेंगे परंतु हो यह रहा है कि शराब चाहे कितनी ही महंगी हो जाए, उसकी खपत कम नहीं हो पा रही है।

पंजाब ही नहीं, देश की सभी राज्य सरकारें शराब बेच कर राजस्व को अपनी आय का प्रमुख स्रेत बनाए हुए हैं। सात-आठ प्रतिशत ही नहीं, कहीं-कहीं तो राज्यों के राजस्व में बीस प्रतिशत तक इसका अंश होता है। शराब संदर्भित विषय राज्यों के हैं। शराब से भारत में पांच लाख तीस हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का राजस्व प्राप्त होता है। राज्य सरकारें शराब के प्रसार को कम से कमतर करने की बजाय ज्यादा से ज्यादा सरकारी लाइसेंसप्राप्त शराब की दुकान खोलने की होड़ में हैं। राजनीतिज्ञों से तो अपेक्षा ही नहीं है कि ईमानदारी से वे शराबबंदी का प्रयास करेंगे किंतु न्यायालयों से भी अब तक के अनुभवों को देखते हुए बहुत आशा नहीं है।

न्यायालयों से कई तरह की टिप्पणियां निकलती हैं परंतु शराब का प्रसार न करने की सीख न्यायालयों से शायद ही आई हो। बिहार की शराबबंदी पर वहां के उच्च न्यायालय की टिप्पणियां भी जगजाहिर हैं। तीस सितम्बर, 2016 में पटना हाई कोर्ट ने तो यहां तक आशंका जतलाई थी कि बिहार में शराबबंदी कार्यान्वित नहीं हो पाएगी। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी एक बार शराब के केसों से न्यायालय के मुकदमों के बढ़ते अंबार पर चिंता व्यक्तकर चुके थे।

कोरोना काल में मई, 2020 में शराब की दुकानों पर जब लोग एक दूसरे के कंधों पर चढ़ शराब लेने की होड़ में दिख रहे थे तब सुप्रीम कोर्ट का ही राज्य सरकारों को सुझाव था कि शराब की होम डिलीवरी पर विचार किया जाए। सरकार की होम डिलीवरी से शह पाकर अब माफिया भी घर-घर होम डिलीवरी कर रहे हैं। स्कूलों, धार्मिक स्थलों और बस्तियों के बीच में शराब की दुकानों और सरकारी ठेकों के विरोध होने पर गिरफ्तारियों पर भी त्वरित न्यायालयी न्याय नहीं मिले हैं।

बिहार में 5 अप्रैल, 2016 को शराबबंदी कानून लागू हो गया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते हैं कि शराबबंदी लागू करना बापू का अनुसरण करना है। जहरीली शराब से मौतों और मुआवजे के संदर्भ में बिहार के मुख्यमंत्री अलग ही रुख रखते हैं। बिहार में दिसम्बर मध्य, 2022 में तीन दिनों के भीतर 66 लोगों की मौत हुई थी। तब विधानसभा में कठोर लहजे में उन्होंने अक्सर याद किए जाने वाला बयान दिया था कि जहरीली शराब पीकर मरने वालों से उन्हें कोई सहानुभूति नहीं है। जो पीएगा वो मरेगा। शराब से मौत पर कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। उनके बयान पर भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए इस्तीफा मांगा था।

यह तो निर्विवाद है कि शराबबंदी से सामाजिक कल्याण को बल मिलेगा। वाहन दुर्घटनाओं, महिला हिंसा का बड़ा कारण शराब भी है। शराबियों के जमवाड़े स्कूलों तक में जाने पर भय पैदा कर रहे हैं। गरीबी और जहरीली शराब पीने वालों को जोड? वाले नैरेटिव के आगे और मजबूत होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता किंतु ऐसे में इस हकीकत से भी कैसे आखें मूंदी जा सकती है कि कई बार स्थानीय स्तर पर घरों में ऐसी शराब बनाने वाले भी वंचित और गरीब ही होते हैं और कई बार जहरीली शराब पीकर मरने वालों में उन परिवारों के सदस्य भी होते हैं।

(लेख में विचार निजी हैं)

मृत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है

अमरपाल सिंह वर्मा

इन दिनों दक्षिण भारत का एक वीडियो खूब देखा जा रहा है। वीडियो एक विवाह समारोह का है, जिसमें दूल्हे के दिवंगत पिता को स्वर्ग से उतरते हुए दिखाया गया है। वह अपनी पत्नी और बेटों से मिलते और समारोह में शामिल होकर भोजन करते हुए भी नजर आते हैं। इसके बाद उन्हें फिर 'स्वर्गझ प्रस्थान करते दिखाया गया है।

वीडियो को देख अनेक लोग हैरान हैं। कई लोग इसे देख भावुक भी हो उठते हैं पर इस वीडियो ने कई सवाल भी खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल, यह वीडियो एआई तकनीक से बनाया गया है जिसने डिजिटल क्रांति की तेज लहरों में बहते हुए अब जीवन की अंतिम सीमा यानी मृत्यु को भी तकनीकी प्रयोगों का हिस्सा बना दिया है। ये प्रयोग पश्चिमी देशों में खूब फल-फूल रहे हैं, और इसकी बदौलत वहां बाकायदा एक बड़ा उद्योग खड़ा हो गया है, जिसे 'डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीजझ नाम दिया गया है। दक्षिण भारत के वीडियो से पता चलता है कि अब भारत में भी इसके अंकुर फूटने लगे हैं। बड़ा सवाल यह है कि यह हमारे समाज में उगता हुआ भविष्य है, या भावनात्मक व्यापार? भारत में इसके लिए कारोबारी संभावनाएं तलाशने के लिए काम हो रहा है। जिस घर में भी मृत्यु होती है, वहां के लोगों को सांत्वना की जरूरत होती है। अपने परिजनों को खो देने वाले लोगों के घर तक जा कर सांत्वना देना हमारे समाज का स्थापित लोकाचार है, जिसमें तकनीक शामिल हो गई है। कई डिजिटल श्रद्धांजलि वेबसाइट्स, ऑनलाइन श्राद्ध और पूजा सेवाएं वगैरह पहले से हैं। इसमें नया अवतार है होलोग्राफिक प्रोजेक्शन, जिसमें मृत व्यक्ति 'जीवितझ दिखाई देता है।

बड़ा सवाल यह है कि इस उद्योग के फैलने का समाज पर असर क्या होगा? क्या यह वास्तव में भावनात्मक सुकून का जरिया है, या माननीय संवेदनाओं से खेल कर पैसा बनाने का धंधा? बहरहाल, भले ही इस तकनीक का उद्देश्य श्रद्धा और स्मृति को बनाए रखना है, परंतु इसके दुष्परिणामों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे जीवन दर्शन में मृत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है, जिसका घटना लाजिमी है। हमें मृत्यु को स्वीकार कर आगे बढ़ना सिखाया जाता है, फिर भी यदि हम अपने परिजनों को पुनजीर्वित होते देखते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या हम मृत्यु को स्वीकार कर पा रहे हैं? श्रद्धांजलि अर्पित करना अलग बात है पर जब हम तकनीक से मृतकों को 'पुनर्जीवितझ करते हैं, तो क्या हम सच में श्रद्धांजलि दे रहे हैं, या अपने मोह और मृत्यु को अस्वीकार करने को तकनीकी जामा पहना रहे हैं? परिजन की मृत्यु को स्मृतियों में सहेजना और उससे प्रेरणा लेना तो समझ में आता है पर उस मृत्यु को 'न होनेझ जैसा दिखाना घट चुके सच को भावनात्मक रूप से अस्वीकार करना ही तो कहा जाएगा। लिहाजा, हमें देखना पड़ेगा कि यह उद्योग कहीं मृत्युरूपी सत्य को 'अनदेखाझ करने का माध्यम तो नहीं बन रहा?

हम दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, इसके लिए पारंपरिक धार्मिक विश्वासों के आधार पर क्रिया-कलाप भी करते हैं। आत्मा को मोक्ष मिले, इसके लिए प्रार्थनाएं की जाती हैं। किसी की मृत्यु के उपरांत हम उसकी आत्मिक शांति के पक्ष में हैं, तो उसे बार-बार वर्चुअली बुलाना, एआई के जरिए उससे 'संवादझ करना, क्या आत्मा को बांधने के क्रियाकलाप में नहीं गिना जाएगा? क्या यह सब उस आत्मा की शांति में हस्तक्षेप नहीं होगा? जिस व्यक्ति के मोक्ष की हम कामना कर चुके, उसे इस प्रकार रूबरू कर लेना क्या पुनः आह्वान नहीं कहलाएगा?

दिवंगतों के होलोग्राम को बार-बार देखना क्या वियोग के दुःख को बढ़ाएगा नहीं? हमारे देश, जहां मानसिक बीमारियों को बीमारी ही नहीं माना जाता है, में यह तकनीक परेशानी को बढ़ाने का सबब बन सकती है। इससे अनेक वृद्धों, भावुक व्यक्तियों, मानसिक रूप से संवदेनशील और दिमागी तौर पर अस्वस्थ लोगों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। होलोग्राम पर मृतकों को बार-बार देखना और चैटबॉट्स के जरिए उनसे 'बातें करनाझ ऐसे लोगों को भ्रमित कर सकता है। डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज भारत में अपने आरंभिक चरण में है लेकिन इसके बीज बोए जा चुके हैं।

मृत्यु शात सत्य है और हमारे यहां इसे स्वीकार कर आगे बढ़ने पर जोर दिया जाता है पर बड़ा सवाल है कि क्या यह उद्योग इस विचार के विरु द्ध नहीं है? निश्चित रूप से यह उद्योग मृत्यु का बाजारीकरण है। बाजारवाद के कंधों पर सवार तकनीक के जरिए श्रद्धा का अर्थ ही बदल जाएगा। जब कोई व्यक्ति नहीं रहेगा एवं एआई के जरिए उसकी उपस्थिति दर्ज की जाएगी और उसके लिए पैसा लिया जाए तो यह श्रद्धा नहीं, एक उत्पाद ही तो कहलाएगा। यह उद्योग उस विचार के विपरीत है जो कहता है कि मिट्टी में मिल जाना ही जीवन की पूर्णता है। क्या यह आत्मा की मुक्ति के विरुद्ध नहीं है? तो क्या इस उद्योग को नकार देना चाहिए? जरूरी नहीं कि हम इसे नकारें। नकारने की बजाय हमें श्रद्धा और तकनीक के बीच संतुलन बनाना चाहिए।

भारत और फ्रांस के बीच गहराते मतभेद

फ्रांस की फ्रांसीसी डिफेंस कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत को राफेल लड़ाकू विमान का कूट संकेत (सोर्स कोड) देने को तैयार नहीं है। कूट संकेत को नहीं देने से भारत और फ्रांस के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। भारत की इच्छा थी कि इस कूट तकनीक के मिलने के बाद भारत अपनी ब्रह्मोस जैसी स्वदेशी मिसाइलें और अन्य रक्षा पण्रालियां राफेल में जोड़ कर उन्हें बहुआयामी रूपों में इस्तेमाल कर लेगा। लेकिन कूट संकेत के बिना यह संभव नहीं है। इस कारण राफेल सौदा निरस्त भी हो सकता है। एक समय था जब फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खूब गलबहियां डाले दिखाई देते थे। अब उसी फ्रांस ने भारत को कूट संकेत देने से मुंह फेर लिया है। यह सोर्स कोड मूल रूप में सॉफ्टवेयर होता है। इससे पहले भी भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजन कावेरी के लिए फ्रांसीसी कंपनी ने भारत को मदद करने से मना कर दिया था। किसी भी विमान या कंप्यूटर आधारित संचार प्रणाली से जुड़े विमान या उपकरण के लिए कूट संकेत प्रोग्रामर द्वारा तैयार किया जाता है। इसी के दर्ज होने पर कंप्यूटर प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है यानी कंप्यूटर कूट संकेत या सोर्स कोड किसी भी कंप्यूटर प्रोग्राम की नींव होता है। दरअसल, प्रोग्रामर का सोर्स कोड निदेर्शो का ऐसा समूह होता है, जो प्रोग्राम को संचालित करने का काम करता है। सोर्स कोर्ड लिखने की प्रक्रिया को आम तौर पर कोडिंग या प्रोग्रामिंग कहते हैं। इसी कोड को फ्रांस ने देने से मना कर दिया है। नतीजतन, भारत ने फ्रांस से जिन 26 राफेल मरीन विमानों की खरीद का सौदा करने की तैयारी की है, यदि वह इन विमानों को खरीद लेता है तो इस कोड के बिना राफेल में ब्रह्मोस मिसाइल और अन्य स्वदेशी हथियारों की संचालन प्रक्रिया राफेल में लोड नहीं कर पाएगा। तब ये हथियार चलाए ही नहीं जा सकेंगे। राफेल से वही हथियार चलाए जा सकेंगे, जो फ्रांस से खरीदे जाएंगे। फ्रांस संभवतः यह तकनीक इसीलिए नहीं दे रहा है कि भारत की मजबूरी फ्रांस से हथियार खरीदने की बनी रहे। यह सौदा टूटता है तो भारत इसकी जगह रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीद सकता है। रूस विमान के साथ कूट संकेत देने को राजी है।

अतएव भारत अपनी मिसाइल और अन्य मारक हथियारों को इस विमान से शत्रु पर दाग सकता है। इस नाते भारत स्वदेशी हथियारों के निर्माण में आगे बढ़ेगा। अपने हथियारों को विदेशी बाजार में बेचने को भी स्वतंत्र रहेगा। भारत सरकार की मंशा स्वदेशी रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इस दृष्टि से भारत ने अपनी वायुसेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक डीप पेनिट्रेशन एडवांस मीडियम काम्बैट एयरक्रॉफ्ट (एएमसीए) को स्वदेश में ही विकसित करने की बड़ी परियोजना पर काम करना शुरू कर दिया है।

0 प्रमोद भार्गव

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1349

1	2	■	3		4	5	6
7		8		■	9		
■	10			■		■	
11				■	12	13	■
14		■	■	15			■
	■	16		■	17		18
19	20		■	21		■	
22		■	■	23			

संकेतः बाएं से दाएं
1. यह योरप महाद्वीप में स्थित देश है इसे यूनान भी कहते है (2)
3. उत्तरप्रदेश का यह स्थल चूड़ी बनाने के कारखाने या कांच के उद्योग के कारण प्रसिद्ध है (5)
7. ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
9. इस पहले टाउन कहा जाता था (3)
10. तीन घंटे का समय, याम (3)
11. गतिविधि, दुष्कर्म, संचलन (4)
12. ऐसी ही सही, अच्छा, कोई चिंता नहीं, देखा जाएगा (2)
14. हाथ, कर, बालिस्त, पाणि (2)
15. रवि, दिनकर, दिनपति, दिनकर (2)
16. अंग्रेजों के बारह महिनों में से एक (2)
17. फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक, घड़ियाल (3)
19. नियुक्त करना, धरना, संग्रह करना (3)
21. लब्ध करना, प्राप्त करना (2)
22. हजरत मुहम्मद की यह छंदोबद्ध स्तुति है (2)
23. पितृपक्ष, श्राद्धपक्ष (4)

ऊपर से नीचे
1. गर्दन, शरीर का वह हिस्सा जो सिर व धड़ को जोड़ता है (2)
2. अभिभावक, संरक्षक (5)
3. चालाकी, चालबाजी, धूर्तता, प्रकृति (4)
4. प्राणरक्षा की विनती करना (4)
5. उद्यान, बगीचा, उपवन, वाटिका (2)
6. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
8. जलाने वाला, दग्धक (3)
11. औचित्य की सीमा लांघना, अति कर देना (5)
13. प्रक्षालक, प्रक्षालनकर्मी (3)
16. घास-फूस को बटकर बनाई गई रस्सी, पुराना, प्राचीन (2)
18. हिफाजत किया हुआ, महफूज, रक्षा किया हुआ, पालित, पोषित (3)
20. पत्र, चिट्ठी (2)
21. पुनीत, पवित्र, निर्दोष, निर्मल (2)

वर्ग पहेली 1348 का हल

इं	ग्लैं	ड	■	क	बी	र	■
त	■	र	सि	क	■	सा	म
जा	ग	ना	■	ह	या	त	■
म	म	■	प	रा	■	ल	घु
क	क	पि	ट	■	चा	■	ल
री	■	ता	ना	शा	ह	■	न
■	द	म	■	य	■	का	शी
ग	वा	ह	■	द	म	क	ल

एकदा

बढ़ते अपराध और समाज की भूमिका

अपराधी प्रवृति और समाज के बीच गहरा संबंध है। समाज की संरचना, मूल्यों में हो रही गिरावट, आर्थिक असमानता, शिक्षा की कमी और सामाजिक न्याय की अनदेखी जैसे कारण अपराध को बढ़ावा देते हैं।

सामाजिक असमानता और आर्थिक कारण..

- गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक हताशा लोगों को गैरकानूनी रास्तों पर धकेलती है।

- धन और अवसरों का असमान वितरण अपराध को जन्म देता है, जैसे चोरी, डकैती या धोखाधड़ी।

शिक्षा और संस्कार की कमी

- शिक्षा का अभाव लोगों को सही-गलत का फर्क समझने से रोकता है।

- परिवार और समुदाय द्वारा नैतिक मूल्यों की अनदेखी युवाओं को अपराध की ओर मोड़ती है।

कानून व्यवस्था में कमजोरियाँ

- पुलिस और न्याय प्रणाली की अक्षमता अपराधियों को प्रोत्साहित करती है।

- कानून का डर न होने से अपराधी बेखौफ होकर गलत कार्य करते हैं।

मीडिया और संस्कृति का प्रभाव

- फिल्मों, सोशल मीडिया और समाचारों में हिंसा या अपराध का ग्लैमराइजेशन युवाओं को गलत राह दिखाता है।

- सामाजिक मानदंडों का क्षरण भी हिंसा और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

0 विवेक रंजन श्रीवास्तव

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आज के सारे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। साथ ही अपने भविष्य के लिए एक योजना बनाऐंगे और सोच-विचार करेंगे। आज ज्यादातर आपका समय परिवार वालों और दोस्तों की इच्छाओं को पूरा करने में निकल जाएगा।

वृष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। किसी नए रिश्ते की शुरूआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, हो सकता है सफलता मिल जाए। इस राशि के बेरोजगार बैठे लोगों को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिलने के चांस बन रहे है।

मिथुन राशि- आपके लिए दिन अच्छा रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूरा होने के योग बन रहे है, साथ ही नए काम की योजना बना सकते है। आज आप रिश्तों के प्रति भावना से परिपूर्ण रहोगे, हो सकता है कहीं बाहर घूमने की प्लानिंग भी बन जाए।

कर्क राशि- आज मेहनत से करे हुए सारे काम पूरे होंगे। बिजनेस के मामले में थोड़ी-सी सावधानी बरतें। आज आपका कोई दोस्त आपसे किसी जरुरी दस्तावेज पर साइन करवाने आ सकते है, बेहतर होगा साइन करने से पहले दस्तावेज को अच्छे से पढ़ लें।

सिंह राशि- आज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। पहले की किसी पूरानी कविता के कारण आपको कॉलेज में पुरस्कार भी मिल सकता है। इस राशि के जो स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई विदेश में करना चाहते हैं, अपनी पढ़ाई के मामले में विदेशी यूनिवर्सिटी से बातचीत करने के लिए आज अच्छा दिन है।

कन्या राशि- आज का दिन आपका खुशनुमा रहेगा। आज बिजनेस के मामले में नजदीकी दोस्त से समय पर आपको मदद मिल जाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के अविवाहित लोगों के लिए आज रिश्ते आ सकते है, हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाए।

तुला राशि- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ और उम्मीदें भी ज्यादा रहेंगी। आज ऑफिस में काम का टारगेट पूरा होने से बॉस आपसे खुश होकर आपको कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं। साथ ही आपको नए अवसर मिलने के चांस बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि- आज का दिन दुख और सुख से मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तर पहुंचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आप विरोधियों का सामना करेंगे।

धनु राशि- आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़ी ही ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेगें तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस से आपको डांट पड़ सकती है। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आज किसी भी बात पर जल्दी गुस्सा करने से बचें।

कुम्भ राशि- आज आपका दिन राहत पूर्ण रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा के लिए पुरस्कार भी मिल सकते है।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि वाले अगर आज नई योजनाएं शुरू करना चाह रहें है तो उसे टाले नहीं शुरू कर दें। आज आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। नौकरीपेशा वाले लोगों को आज अपने सहकर्मियों का पूर्ण योगदान प्राप्त होगा।

छत पर टंकी में उबलने लगा है पानी? इन आसान ट्रिक्स से रखें ठंडा...नहीं रहेगी जलने की टेंशन

जून की झुलसा देने वाली गर्मी में छत पर रखी टंकी का पानी भी खौलने लगता है। पानी इतना गर्म हो जाता है कि उसे इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो जाता है। आइए जानें, छत पर रखी पानी की टंकी को ठंडा कैसे रखें?

गर्मी के मौसम में दोपहर तो क्या सुबह के वक्त भी घर से निकलना काफी मुश्किल हो जाता है। पिछले दिनों बारिश से तापमान में थोड़ी-सी गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन अब फिर से भीषण गर्मी पड़नी शुरू हो चुकी है।

छत पर रखी टंकी पर पूरे दिन सीधी धूप पड़ती है। इसकी वजह से टंकी में रखा पानी आग की तरह खौलने लगता है। गलती से अगर दोपहर के वक्त नल चलाकर पानी से हाथ धो लिए, तो जलने के पूरे चांस रहते है। ऐसे में आप 2 हैक्स की मदद से अपनी छत की टंकी को कूल-कूल रख सकते हैं। आइए जाने, छत पर रखी टंकी के पानी को गर्मी में कैसे ठंडा रखें?

इंसुलेटेड वॉटर टैंक कवर आएगा काम

गर्मी इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि तापमान 40 डिग्री भी पार कर चुका है। तपता सूरज आग उगल रहा है, जिससे टंकी में रखा पानी भी उबलने लगता है। ऐसे पानी का इस्तेमाल करना मुश्किल होता है। इससे बर्तन या कपड़े भी नहीं धोए जा सकते। ऐसे में शाम होने तक टंकी के ठंडे होने का इंतजार करना पड़ता है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको इंसुलेटेड वॉटर टैंक कवर का इस्तेमाल करना चाहिए। ये कवल धूप को सीधे टंकी पर पड़ने से रोकते है। इस कवर के इस्तेमाल से पानी गरम नहीं होता। इसे आप बाजार से आसानी से खरीद सकते हैं।

छत पर टंकी के लिए लगाएं शेड

अगर आप पानी की टंकी को हमेशा के लिए ठंडा रखने वाला एक परमानेंट जुगाड़ करना चाहते हैं, तो आपको छत पर एक शेड तैयार करवाना चाहिए। इससे टंकी हमेशा धूप के सीधे संपर्क में आने से बची रहेगी और पानी भी ठंडा रहेगा।

इन चीजों से ठंडा रखें पानी

अगर आप टंकी के पानी को ठंडा रखने के लिए पैसे खर्च नहीं करना चाहते हैं, तो आप थर्माकोल सीट, रेक्सीन या पुराने गद्दे को भी टंकी के आसपास लपेटकर उसे ठंडा रख सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

घर की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए बेस्ट हैं ये फर्नीचर, कम जगह में भी हो जाएंगे एडजस्ट

घर की खूबसूरती को निखारने में अगर कोई कारगर चीज है, तो वह फर्नीचर होता है। इसका सही चुनाव आपके घर को चांद सा सजा सकता है। कुछ खास तरह के फर्नीचर हमेशा चलन में रहते हैं, लेकिन आज हम आपको ऐसे फर्नीचर के बारे में बताएंगे, जो कि कम जगह में भी फिट बैठ सकता है।

आजकल के आधुनिक घरों में जगह की कमी होती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि आप अपने घर को स्टाइलिश और आरामदायक नहीं बना सकती हैं। घर की खूबसूरती को निखारने के लिए आप अपने बेडरूम, लीविंग रूम से लेकर हॉल तक में अच्छी फर्नीचर लगा सकती हैं। सही फर्नीचर का चुनाव आपके छोटे से घर को भी बड़ा और आकर्षक लुक दे सकता है। ऐसे में, अगर आप अपने घर की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं और जगह कम है, तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम आपके लिए ऐसे बेहतरीन फर्नीचर आइडियाज लेकर आए हैं, जो न केवल आपके घर की शोभा बढ़ाएंगे, बल्कि कम जगह में भी आसानी से एडजस्ट हो जाएंगे। ये फर्नीचर पीस ऐसे डिजाइन किए गए हैं कि वे मल्टीफंक्शनल और आपकी हर जरूरत को पूरा कर सकें। चाहे आपका लिविंग रूम छोटा हो, बेडरूम में जगह कम हो या आपको अतिरिक्त स्टोरेज की जरूरत को पूरा कर सकते हैं। ये स्मार्ट और स्टाइलिश फर्नीचर समाधान आपके घर को ज्यादा व्यवस्थित और खूबसूरत बनाने में मदद करेंगे। तो आइए सर्राफ फर्नीचर के संस्थापक और सीईओ रघुनंदन सर्राफ से ऐसे ही कुछ शानदार फर्नीचर विकल्पों के बारे में जानते हैं, जो आपके घर को यूनिक लुक देने का काम कर सकते हैं।

क्लासिक लकड़ी का फर्नीचर

लकड़ी के फर्नीचर से उत्पन्न होने वाली गर्माहट ही इसकी लोकप्रियता का कारण है। इसका जीवंत स्वरूप और आरामदायकता किसी भी जगह में आकर्षण भर देती है। शीशम और आम जैसी उच्च गुणवत्ता वाली लकड़ी, अपनी टिकाऊपन और लकड़ी पर बनी आकर्षक बनावट के कारण कॉफी टेबल, साइडबोर्ड और बुकशेल्फ जैसे बेहतरीन फर्नीचर आइटम बनाती है। इस तरह के फर्नीचर सिर्फ आपके घर को सुंदर बनाने तक ही काफी नहीं होते हैं, बल्कि यह पीढ़ियों तक विरासत के रूप में भी टिकाऊ बने रहते हैं।

न्यूट्रल अपहोल्स्टर्ड सोफे

हर लिविंग रूम में एक सोफा जरूरी होता है और न्यूट्रल रंग का सोफा लिविंग रूम की सुंदरता को बढ़ाता है। बेज, ग्रे और हल्के भूरे रंग के न्यूट्रल अपहोल्स्टर्ड सोफे किसी भी रंग संयोजन में फिट होते हैं और उन्हें स्टाइल करना आसान होता है। इन्हें मौसमी रूप से स्टाइलिश थ्रो या चमकीले कुशन के साथ सजाया जा सकता है। एक न्यूट्रल सोफा एक अच्छी तरह से डिजाइन किए गए सोफे के लिए एकदम सही है, क्योंकि यह घर को सुंदर बनाता है। साथ ही, यह आरामदायक भी होता है, इसपर बैठने में दिक्कत नहीं होती है।

मल्टीफंक्शनल फर्नीचर

आजकल, लोग ऐसे मल्टीफंक्शनल फर्नीचर आइटम की तलाश में रहते हैं, जो कम जगह में फिट हो सकें और अन्य सामान भी स्टोर किए जा सकें। इसके लिए आप स्टोरेज वाला ओटोमन या नेस्टिंग टेबल, या एक कंसोल टेबल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये सभी आइटम बहुउद्देशीय तो होते ही हैं और दिखने में भी आकर्षक लगते हैं। ये आइटम जगह को बचाने के लिए खासकर बनाए गए हैं।

एक्सेंट चेयर और स्टेटमेंट पीस

कभी-कभी एक कमरा को निखारने के लिए एक प्रभावशाली डिजाइन तत्व ही काफी होता है। इसके लिए आकर्षक बनावट और पैटर्न वाला एक्सेंट चेयर काफी अच्छा ऑप्शन हो सकता है। चाहे वह पुराना चमड़े का टुकड़ा हो या अधिक आधुनिक मूर्तिकला वाली कुर्सी, ये स्टेटमेंट चेयर दिखने में बेहद आकर्षक होती हैं। इन कुर्सियों में किसी भी जगह को सहजता से बदलने की शक्ति होती है।

ग्लास और मिरर

ग्लास और मिरर वाले फर्नीचर कम समय में सजावट के लिए बेस्ट आइटम हैं, क्योंकि ये अलग इफेक्ट दिखाते हैं, जो कमरे बड़ा दिखाने का काम करता है। साथ ही, कमरे में चमक भी लाता है। इससे कमरा बड़ा लगता है, जबकि कांच के शीर्ष वाली कॉफी टेबल लिविंग एरिया या किसी अन्य कमरे की जगह को ज्यादा भरे बिना एक हवादार एहसास प्रदान करती है।

लॉन्ग कुर्ती में दिखना है स्टनिंग तो पहले जान लें यह रूल्स

जब भी एथनिक वियर की बात होती है तो सूट का नाम लिया जाता है। हालांकि, इन दिनों आपको मार्केट में केवल कंप्लीट सूट सेट ही नहीं मिलता, बल्कि अलग से कुर्तियां भी अवेलेबल हैं, जिन्हें कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है।

खासतौर से, लॉन्ग कुर्ती की मदद से आप ना केवल एथनिक लुक क्रिएट कर सकती है, बल्कि इंडो-वेस्टर्न स्टाइल को भी कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, आप कैजुअल्स से लेकर आउटिंग यहां तक कि पार्टीज में भी इन लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। आमतौर पर देखने में आता है कि महिलाएं इन लॉन्ग कुर्तीज को केवल लेगिंग्स के साथ पेयर करती हैं, हालांकि, इन्हें अन्य भी कई तरीकों से कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, हर बार आप एक ही लॉन्ग कुर्ती को कई अलग-अलग तरीकों से कैरी करके एक न्यू लुक क्रिएट कर सकती हैं। 3 जींस के साथ करें स्टाइल यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक सिंपल लेकिन बेहतरीन आईडिया है। जींस के साथ हर टाइप की कुर्ती बेहद ही स्टाइलिश लगती है। भले ही वह फ्रंट ओपनिंग कुर्ती हो या फिर प्रिंटेड कुर्ती। आप चाहें तो इस लुक में स्टनिंग एसेसरीज कैरी करके एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट कर सकती हैं या फिर स्कार्फ को भी इस आउटफिट के साथ पेयर किया जा सकता है।

श्रग में दिखेंगी स्टनिंग

अगर आप लॉन्ग कुर्ती को आउटिंग के दौरान कैरी कर रही हैं और अपने लुक से सबको इंप्रेस करना चाहती हैं तो ऐसे में आप इसके साथ श्रग कैरी कर सकती हैं। इस तरह आप अपने लुक में कलर ब्लॉकिंग कर सकती हैं। लॉन्ग कुर्ती विद श्रग स्टाइल में आप बॉटम वियर में लेगिंग्स से लेकर प्लाजो तक को पेयर कर सकती हैं। इसके साथ एक लॉन्ग पेंडेंट आपके लुक को खास बनाएगा।

सिगरेट पैंट्स के साथ करें पेयर

अगर आप ऑफिस मे लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप सिगरेट पैंट्स के साथ इसे पेयर कर सकती हैं। इसमें मैचिंग कलर से लेकर कॉन्ट्रास्टिंग कलर दोनों ही काफी अच्छे लगते हैं। वहीं फुटवियर में आप हील्स के अलावा जूतियां भी पेयर कर सकती हैं।

शरारा के साथ करेंगी रॉक

यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक बेहतरीन आईडिया है। अगर आप पार्टी में लॉन्ग कुर्ती को पहनना चाहती हैं तो इसके साथ शरारा कैरी किया जा सकता है। यूं तो शरारा को कुर्ती के साथ मैचिंग कलर में सलेक्ट किया जा सकता है। लेकिन इसके अलावा, अगर आप चाहें तो व्हाइट या क्रीम कलर के शरारा को भी पेयर कर सकती हैं। इस लुक में चुनरी को भी कैरी किया जा सकता है। आप शरारा से मैचिंग चुनरी को पेयर करें। इसके साथ एसेसरीज में ब्रेसलेट काफी अच्छे लगते हैं।

लॉन्ग कुर्ती विद लेयर्ड स्कर्ट

अगर आप लीक से हटकर लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेयर्ड स्कर्ट को अपने लुक का हिस्सा बनाएं। इसमें आप सॉलिड कलर्स को सलेक्ट कर सकती हैं। साथ ही कलर कॉन्ट्रास्टिंग करके अपने लुक को खास बना सकती हैं। खासतौर से, लॉन्ग स्ट्रेट कट कुर्ती के साथ फ्लेयर्ड स्कर्ट की पेयरिंग का ऑप्शन बेहद खास लगता है। इस लुक में आप ओकेजन के अनुसार एसेसरीज को सलेक्ट कर सकती हैं।

क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हुए नहीं करनी चाहिए ये पांच गलतियां

किसी भी कपड़े में आपका लुक तभी अच्छा लगता है, जब वह रिंकल फ्री हो। अमूमन कपड़ों को रिंकल फ्री बनाने के लिए आयरन की मदद ली जाती है। हालांकि, पिछले कुछ समय से क्लॉथ स्टीमर के इस्तेमाल का चलन भी काफी बढ़ गया है। इसमें भाप की मदद से कपड़ों की सिलवटों को हटाया जाता है। चूंकि इन्हें इस्तेमाल करना काफी आसान होता है, इसलिए अधिकतर लोग क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करना पसंद करते है।

क्लॉथ स्टीमर पानी को गर्म करके भाप में बदल देते हैं और जब आप बटन दबाते है, तो भाप एक केंद्रित जेट में बाहर निकलती है। उस भाप से सिलवटें गायब हो जाती हैं। अमूमन क्लॉथ स्टीमर को इसलिए भी काफी पसंद किया जाता है, क्योंकि इससे ना केवल कपड़े, बल्कि परदों व फर्नीचर पर चढ़े हुए कपड़ों को भी आसानी से रिंकल फ्री बनाया जा सकता है। क्लॉथ स्टीमर बेहद ही यूजफुल होते हैं, लेकिन उन्हे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है। अमूमन क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते समय लोग कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए।

बहुत जल्दी शुरू करना

अमूमन यह देखने में आता है कि जब लोग क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हैं तो उसका बटन दबाते ही तुरंत इस्तेमाल करना शुरू कर देता है। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। क्लॉथ स्टीमर को गर्म होने और उपयोग के लिए तैयार होने में कुछ समय लगता है। इसे स्टार्ट करने के बाद भाप को कम से कम 30 सेकंड के लिए हवा में छोड़ें जब तक कि यह समान रूप से बाहर न आ जाए। इससे स्टीमर को किसी भी पानी के अवशेष को बाहर निकालने की अनुमति मिलती है, जो पिछली बार इस्तेमाल किए जाने के बाद से नोजल में अभी भी हो सकता है।

हार्ड वॉटर का इस्तेमाल करना

अमूमन क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हुए उसमें पानी को डाला जाता है। हालांकि, इसमें कभी भी नल के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसमें मिनरल्स होते हैं, जो समय के साथ क्लॉथ स्टीमर को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए, मिनरल बिल्डअप को रोकने के लिए डिस्टिल्ड वाटरका उपयोग करें जो स्टीमर को क्लॉग नहीं करता है।

एक ही जगह पर बहुत देर तक भाप देना

कई बार यह देखने मे आता है कि लोग जब क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हैं, तो उसे एक ही जगह पर बहुत देर तक रखते हैं। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। स्टीमर को बहुत देर तक एक ही जगह पर रखने से पानी के धब्बे पड़ सकते हैं या कपड़ा जल भी सकता है। इसलिए, स्टीमर को कपड़े पर लगातार घुमाते रहें।

स्टीमर गलत तरीके से पकड़ना

क्लॉथ स्टीमर से आपको बेस्ट रिजल्ट मिले, इसके लिए आपको उन्हें सही तरह से पकड़ना और इस्तेमाल करना आना चाहिए। कभी भी स्टीमर की धातु की प्लेट को कपड़े के समानांतर न रखें, बल्कि इसे थोड़ा नीचे की ओर रखें। इससे भाप बेहतर तरीके से फैलती है और आपके कपड़ों पर बूंदों के गिरने का जोखिम कम होता है। साथ ही, प्लेट को बहुत दूर न पकड़ें।

वॉटर टैंक को ओवरफिल करना

क्लॉथ स्टीमर को इस्तेमाल करते समय पानी की आवश्यकता होती है। लेकिन वाटर टैंक को ओवरफिल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे लीकेज या पानी का रिसाव हो सकता है। हमेशा वाटर टैंक पर बताई गई फिल लाइन का पालन करें।

कोरिया

ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के लिए 12.81 करोड़ मंजूर

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायगढ़ नगर निगम में ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के विकास के लिए 12 करोड़ 81 लाख 12 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत यह राशि स्वीकृत की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस कार्य को शामिल किया गया था। इसे अमलीजामा पहनाने विभाग द्वारा रायगढ़ नगर निगम के वार्ड क्रमांक-32 में एफ.सी.आई. के पास ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के विकास के लिए 12 करोड़ 81 लाख 12 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदंड सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन

गर्भवती महिलाओं की हुई प्रसव पूर्व जांच, हाई रिस्क मामलों की हुई पहचान

कोरिया बैकुंठपुर - प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आज कोरिया जिले में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की गुणवत्ता युक्त प्रसव पूर्व जांच कर जटिलताओं की समय रहते पहचान कर उन्हें सुरक्षित प्रसव के लिए तैयार करना है।

यह आयोजन राज्य स्वास्थ्य विभाग के निदेर्शानुसार, कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी जी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो प्रत्येक माह की ९ और २४ तारीख को आयोजित की जाती है। इसके अंतर्गत जिले के जिला अस्पताल, बैकुंठपुर सहित सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं की स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा पूर्ण स्वास्थ्य जांच की जाती है।

अभियान के तहत सभी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकीय टीमों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने गर्भवती महिलाओं की जांच कर हाई रिस्क प्रेगनेंसी मामलों की पहचान की। ऐसे मामलों को चिन्हित कर समय रहते उचित सलाह और उपचार प्रदान किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी ने बताया कि सभी गर्भवती महिलाओं को प्रसव संबंधी भय और तनाव से मुक्त करने के लिए उन्हें परामर्श (काउंसलिंग) भी दी गई। संस्था में सुरक्षित प्रसव के लिए उन्हें प्रेरित किया गया। हाई रिस्क प्रेगनेंसी की सूची तैयार कर त्वरित डिजिटल एंट्री की गई।

न्यूज गैलरी

नि:शुल्क रक्त एवं कैंसर जांच परामर्श शिविर आज

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला चिकित्सालय चिरमिरी परिसर में पूर्व निर्धारित निःशुल्क रक्त एवं कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन अब 10 जून मंगलवार को किया जाएगा। पूर्व में यह शिविर 11 जून को आयोजित होना प्रस्तावित था, लेकिन अब इसे एक दिन पूर्व आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य सर्जन (सीएस), जिला अस्पताल चिरमिरी द्वारा आदेश जारी करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सूचित किया गया है कि वे अपने निर्धारित ड्रेस कोड, पहचान पत्र (आई कार्ड) एवं नेम प्लेट के साथ अनिवार्य रूप से शिविर स्थल पर उपस्थित रहें। यह शिविर आम नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें रक्त जांच, कैंसर की प्रारंभिक पहचान एवं निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपस्थित रहेगी, जो लोगों को आवश्यक जानकारी और निदान प्रदान करेगी।

एडीईओ भर्ती परीक्षा 15 जून को

मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एडीईओ) की भर्ती परीक्षा 15 जून रविवार को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा प्रातः 10 से दोपहर 12.15 बजे तक जिले के 9 परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी। परीक्षार्थियों को सभी मूल दस्तावेज को परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

पटना में खदान की नए पैच शुरू कराने बैठक का ग्रामीणों ने किया बहिष्कार

बिश्रामपुर - एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के आमगांव ओपन कास्ट परियोजना केविस्तार के उद्देश्य से नई पैच का खुदाई शुरू करने आज दुबारा राजस्व व एसईसीएल की संयुक्त टीम पटना गांव में पहुंच ग्रामीणों से रायसुमारी की लेकिन ग्रामीणों द्वारा अंततः बैठक का बहिष्कार कर दिया गया। ग्रामीण अपनी तीन मांग नौकरी, घर का मुआवजा और विस्थापन पर अभी भी अड़े हुए हैं। गौरतलब है कि एसईसीएल प्रबंधन द्वारा सोमवार को आमगांव परियोजना की नए पैच का शुभारंभ पटना गांव में करने प्रभावित गांव के लोगों की एक बैठक गांव के पंचायत भवन के समीप बगीचा में बुलाई गई थी। यहां पर रामानुजनगर एसडीएम अजय मोडीयम, तहसीलदार राठिया, एसईसीएल प्रबंधन की ओर से सब एरिया मैनेजर अश्विनी चंद्रा, विधायक प्रतिनिधि संत साहू व मदन सारथी, पटना सरपंच विमला, उमाशंकर व अन्य उपस्थित थे। ग्रामीणों ने बताया कि बैठक की शुरूआत हुई तो लोगों ने अपनी मांगों के पूरा होने तक खदान के नया पैच जो पटना में शुरू किया जाना है जिसमें ग्रामीणों की मांग पूरा नहीं होने तक खुदाई शुरू नहीं करने देने ग्रामीणों की एकराय को अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। जिस पर राजस्व व एसईसीएल अधिकारियों द्वारा रायसुमारी करके आने की बात कहकर मौके से गए, तो करीब आधे घंटे तक वापस नहीं लौटने पर ग्रामीणों द्वारा बैठक का बहिष्कार करके वापस लौट गए। ग्रामीणों का कहना है कि प्रबंधन द्वारा यहां पर वर्ष २००६ में भूमि का अधिग्रहण करने की बात कही जाती है लेकिन वर्ष २०१७-२०१८ में मुआवजा राशि देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। साथ ही प्रबंधन ने गांव के ३३४ लोगों के भूमि का अधिग्रहण किया है जिसमें ४६४ लोगों को नौकरी दिए जाने की प्रक्रिया पूर्ण की जानी है और अब तक महज करीब सवा सौ लोगों को ही नौकरी दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि लोगों के मुआवजा, नौकरी व विस्थापन की प्रक्रिया पूर्ण कराए बगैर ही प्रबंधन द्वारा यहां पेच का कार्य शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। यहां पर अधिकारियों का कहना है कि जिन लोगों को भूमि अधिग्रहण के एवज में नौकरी व मुआवजा की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई, उन्हीं लोगों की भूमि पर ही पेच का कार्य शुरू कराया जाएगा। साथ ही नियमानुसार कार्यवाही करते हुए सभी लोगों की समस्याओं के निराकरण करने उपरांत ही खदान विस्तार को प्रक्रिया को पूरा कराया जाएगा, लेकिन इस बात पर भी ग्रामीणों ने असहमति जताई है।

किसी भी क्षेत्र में इरादे पक्के हों तो सफलता मिलना तय - राजेश

केबीसी कंटेंस्टेंट राजेश चैहान ने छात्रों को बताए सफलता के गुण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर अपने विद्यार्थियों को मोटिवेट करने तथा उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति सजग बनाने के लिए समय- समय पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों तथा जानकार विभूतियों को गेस्ट टीचर के रूप में आमंत्रित करता रहता है। इसी कड़ी में केबीसी 2010 के कंटेस्टेंट राजेश चैहान को गेस्ट टीचर के तौर पर आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर में आमंत्रित किया गया। आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर के संचालक संजीव सिंह द्वारा राजेश चैहान को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। राजेश चैहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने छोटे से कॉलरी क्षेत्र झीमर से निकल कर खुद को मुंबई में स्थापित किया।

उन्होंने आईसेक्ट के विद्यार्थियों को द सीक्रेट मूवी देखने तथा बुक्स पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मदर नेचर हमें सब कुछ देने के लिए आतुर है जो हम पाना चाहते हैं, केवल हमारे मन में उसके प्रति विचार एकदम स्पष्ट होने के साथ उसे प्राप्त करने का दृढ़ विश्वास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आपके विचार स्पष्ट हों, आप दृढ़ संकल्पित हों तो वह चीज आपको अवश्य मिलेगी जिसके आप हकदार हैं। उन्होंने बताया कि कोई भी विद्यार्थी एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग या डायरेक्शन के फील्ड में आना चाहता है तो वह उनसे संपर्क कर सकता है तथा आने वाले समय में आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर में हम एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग की क्लासेस भी ऑर्गेनाइज करेंगे जिससे छोटे शहर के बच्चे भी मुंबई शहर में अपना सपना पूरा कर सकें। संस्था के संचालक संजीव सिंह ने बताया कि आपकी कड़ी मेहनत अगर सही दिशा में हो तो सफलता मिलना तय है। इस दौरान कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुकेश यादव भी मौजूद रहे जिन्होंने बच्चों की प्रतिभाओं की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में संस्था के संचालक संजीव सिंह द्वारा राजेश चैहान को आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर और समस्त स्टाफ की तरफ से मोमेंटो और आईसेक्ट पब्लिकेशन की कुछ किताबें भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। आयोजन को सफल बनाने में आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर के स्टाफ और फैकल्टी मेंबर्स स्वाति सिंह, अंजना मौर्य, पूर्णिमा, खुशी साहू, नरेंद्र कौर, क्षितिज खरे, शाश्वत पांडेय, उज्जवल सिंह तथा सेंटर के समस्त छात्र-छात्राओं की अहम भूमिका रही।

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार हेतु 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा अम्बिकावाणी - संचालनालय कृषि रायपुर द्वारा वर्ष २०२५ के लिए डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार के लिए कृषकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। किसान उप संचालक कृषि व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से आवेदन पत्र निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। कृषकों से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि ३१ जुलाई २०२५ निर्धारित है। कृषक निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र को उप संचालक कृषि व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। किसानों को अपने आवेदन पत्र के साथ सफलता की कहानी भी प्रस्तुत करना होगा। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि पुरस्कार की राशि २ लाख व प्रशस्ति पत्र है। इस प्रतिस्पर्धा में केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी ऐसे कृषक ही पात्र होंगे जो विगत दस वर्षों से छत्तीसगढ़ में कृषि कार्य कर रहे हो, जिनकी कुल वार्षिक आमदनी में से न्यूनतम ७५ प्रतिशत आय कृषि पर आधारित हो साथ ही कृषक तकाबी, सिंचाई शुल्क, सहकारी बैंकों का कालातीत ऋण न हो। कृषक का चयन व मूल्यांकन फसल विविधीकरण व उत्पादकता वृद्धि के लिए नवीन कृषि तकनीकी अपनाने का स्तर है।

जनदर्शन में सुनी गई आम नागरिको की समस्याएं- सीईओ जिला पंचायत ने आवेदनों का समय सीमा में निराकृत करने के दिए निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश नाग ने आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निश्चित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज भूमि सीमांकन, बंटवारा, नक्शा दुरूस्तीकरण, राशन वितरण, बिजली बिल में सुधार, स्कूल फीस मांफ, किसान ऋण पुस्तिका, मुआवजा भुगतान, वनाधिकार पत्र, पेंशन सहित अन्य १११ आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीराम के आदर्श चरित्र का अनुशरण करने से मानव जीवन का उद्धार होगा - जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

कोरिया बैकुण्ठपुर - सोनहत विकासखण्ड के ग्राम कैलाशपुर में श्री रामचरित मानस गायन वादन सम्मेलन आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े, महामंत्री मनोज साहू, पूर्व जनपद सदस्य कृष्ण कुमार राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, युवा मोर्चा जिला मंत्री रमेश तिवारी, जनपद सदस्य सोनिया राजवाड़े, आलेश्वरी गौतम उपस्थित रहें। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों को चंदन व बैच लगाकर स्वागत किया।

तत्पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि, प्रभु श्रीराम के आदर्श चरित्र का अनुशरण करने से मानव जीवन का उद्धार हो सकता है, प्रभु श्रीराम न्याय और सत्य के मार्ग पर चले। अपने इन्हीं गुणों के कारण वे मयार्दा पुरुषोत्तम कहलाए, भगवान श्रीराम के कई गुणों में यदि आप कुछ गुणों को भी अपना लेंगे तो आपका जीवन सफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि, सहनशीलता की ऐसी पराकाष्ठा भगवान श्रीराम की तरह आज भी हर व्यक्ति में होनी चाहिए और इस गुण को जरूर अपनाना चाहिए। श्री रामचरित मानस गायन वादन सम्मेलन में ग्रामो से पधारे मंडलियों ने समिति द्वारा दिए गए दोहा का गायन वादन पर अपनी कला का उत्तम प्रदर्शन किया तथा दोहा चौपाई का भावार्थ भी बताकर भजन गाकर अंक बटोरे। आयोजन समिति के सदस्य सोनिया सुमिंत राजवाड़े, सरपंच रूपवती चेरवा, बसंत लाल राजवाड़े, सुरेन्द्र राजवाड़े, हरिगोविंद राजवाड़े, महिपाल राजवाड़े, धर्मसाय राजवाड़े, सकत्तर प्रसाद राजवाड़े, श्याम राजवाड़े, अरविंद कुमार राजवाड़े, यवत राजवाड़े, रामकृपाल राजवाड़े, मदन मोहन राजवाड़े, आसन राजवाड़े, राहुल राजवाड़े, ईश्वर राजवाड़े, प्रकाश राजवाड़े, सुमित राजवाड़े, किसमत राजवाड़े, विष्णु राजवाड़े, सोनिया प्रकाश राजवाड़े,धर्मसाय राजवाड़े, श्यामलाल राजवाड़े, रामकुमार राजवाड़े, भवन कुमार राजवाड़े, महेन्द्र राजवाड़े, मंगलेश्वर राजवाड़े, उदयभान राजवाड़े, समय लाल राजवाड़े, देवनारायण राजवाड़े, रमेश राजवाड़े, शंकुतला राजवाड़े, इन्द्रा राजवाड़े, भगवन्ती राजवाड़े, रम्भा राजवाड़े, राज कुमारी राजवाड़े, अंजू राजवाड़े, तुलसी राजवाड़े, महिमा राजवाड़े, सीमा राजवाड़े, निलेश्वरी राजवाड़े, तुलेश्वरी राजवाड़े, थनिता राजवाड़े, प्रमिला राजवाड़े, लक्ष्मी राजवाड़े सहित भारी ग्रामीण एवं श्रोतागण उपस्थित रहें।

आदिवासी समाज नाराज, भाजपा नेत्री की गिरफ्तारी व एससी/एसटी एक्ट की मांग, प्रशासन को दी चेतावनी

कोरबा अम्बिकावाणी - बांकीमोंगरा थाना परिसर में ग्राम बरेडिमुड़ा निवासी आदिवासी किसान बलवंत सिंह कंवर के साथ भाजपा नेत्री ज्योति महंत और उनके सहयोगियों द्वारा की गई मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। अब यह मामला सामाजिक आक्रोश के साथ राजनीतिक रंग भी अख्तियार कर चुका है। रामपुर के कांग्रेस विधायक फूल सिंह राठिया ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है। दूसरी ओर, भाजपा नेत्री ज्योति महंत जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष और अन्य समर्थकों के साथ एसपी कार्यालय पहुंची, जिससे यह संकेत मिला कि संभावित गिरफ्तारी को लेकर वे बचाव में जुट गई हैं। इधर, सर्व आदिवासी समाज ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कोरबा पुलिस प्रशासन से चार प्रमुख मांगें की हैं। समाज ने पूछा है कि क्या अब पुलिस राजनीतिक दबाव में कानून का मजाक उड़ाने वालों को संरक्षण दे रही है?

क्या है आरोप - ७ जून को आदिवासी किसान बलवंत सिंह को भाजपा नेत्री व उनके सहयोगियों द्वारा रावणभाठा मार्ग पर जातिगत गालियों के साथ पीटा गया। उसे जबरन घसीटते हुए थाना लाया गया, जहां परिसर के भीतर भी मारपीट की गई। वायरल वीडियो में अपमानजनक भाषा का स्पष्ट प्रमाण मौजूद है, बावजूद इसके पुलिस ने न तो पीड़ित को सुरक्षा दी, न ही मामले में तत्परता दिखाई।

सर्व आदिवासी समाज की मांगें- आरोपी भाजपा नेत्री व सहयोगियों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट सहित संगत धाराओं में तत्काल एफआईआर व गिरफ्तारी। पीड़ित को पुलिस सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और १ लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। थाना परिसर की सीसीटीवी फुटेज को सबूत के तौर पर जांच में शामिल किया जाए। बांकीमोंगरा थाने की कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

सवाल उठता है — क्या पुलिस अब राजनीतिक दबाव में निष्पक्षता छोड़ चुकी है? क्या आदिवासियों को न्याय मांगने के लिए भी आंदोलन का सहारा लेना पड़ेगा?

सर्व आदिवासी समाज ने स्पष्ट किया है, हम अपमान सहन नहीं करेंगे। यह संघर्ष अन्याय के खिलाफ है, और यह अब रुकने वाला नहीं।

मुंबई, 09 जून। भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रखा. जिसका मुख्य कारण वित्तीय क्षेत्र रहा. पिछले सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती और सीआरआर में 100 आधार अंकों की कटौती के बाद निवेशकों ने इस क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित किया. इससे उम्मीदें बढ़ गई कि दोनों कदमों से अर्थव्यवस्था में लोन वसूली और बैंकों की आय में सुधार में मदद मिलेगी. इस बीच निफ्टी बैंक इंडेक्स के सभी 11 इंडेक्स हरे रंग में खुले. जिसमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक जैसे शेयरों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई, जिससे इंडेक्स पहली बार 57,000 अंक को पार कर 57,049 पर पहुंच गया, जो लगभग 1 फीसदी ऊपर था,

कार्लोस अल्काराज ने रचा इतिहास

0-वर्ल्ड नंबर-1 को हराकर लगातार दूसरी बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब

पेरिस ,09 जून। स्टार टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने रविवार, 8 जून को फ्रेंच ओपन 2025 के फाइनल में धमाकेदार जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया. अल्काराज ने चौथे सेट में तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर स्पेन के इस खिलाड़ी ने शुरूआती 2 सेट गंवाने के बाद विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी को 4-6, 6-7 (4-7), 6-4, 7-6 (7-3), 7-6 (10-2) से हराया. दोनों खिलाडि ?ों के बीच यह मुकाबला करीब 5 घंटे और 30 मिनट तक चला. जो अब तक का सबसे लंबा फ्रेंच ओपन फाइनल है, जिसने पिछले सबसे लंबे 4 घंटे और 42 मिनट के फाइनल को पीछे छोड़ दिया है. इस जीत ने अल्काराज को अपना दूसरा रोलैंड गैरोस खिताब और कुल मिलाकर 5वां मेजर खिताब दिलाया, जिससे स्लैम फाइनल में उनका 5-0 का रिकॉर्ड बना रहा. वह गुस्तावो कुर्टेन और राफेल नडाल के बाद इस सदी के सिर्फ तीसरे व्यक्ति बन गए हैं जिन्होंने अपना फ्रेंच ओपन का खिताब सफलतापूर्वक बरकरार रखा है. चौथे सेट में 3-5 से पिछड ? और कुल मिलाकर 1-2 से पिछड ? के बाद, कार्लोस 0-40 पर अपने खिताब का बचाव करने के लिए सबसे कमजोर स्थिति में थे. उन्होंने 3 चैंपियनशिप पॉइंट का सामना किया और एक के बाद एक सभी को बचाया, क्योंकि स्पेन के इस खिलाड़ी ने फाइनल में जबरदस्त वापसी की. इस शानदार जीत के साथ ही स्पेनिश खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया है क्योंकि वह ओपन एरा में 3 चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम फाइनल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. अल्काराज ने पांच सेटों के मैराथन में वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर को जबरदस्त फाइनल में हराया, जो अब तक के सबसे बेहतरीन फ्रेंच ओपन फाइनल में से एक के रूप में जाना जाएगा.

ऐतिहासिक वापसी की. इसके बाद अल्काराज ने अगले सेट में सिनर की सर्विस तोड़कर स्कोर 5-5 कर दिया, इससे पहले कि सिनर ने टाईब्रेकर में स्कोर को आगे बढ़ाया. पांचवें सेट के पहले गेम में भी अल्काराज ने सिनर की सर्विस तोड़कर 1-0 की बढ़त ले ली. दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और ऐसा लग रहा था कि अल्काराज मैच जीत जाएंगे. हालांकि, सिनर ने अल्काराज की सर्विस तोड़कर स्कोर 5-5 कर दिया. मैच टाईब्रेकर में गया, जहां अल्काराज ने 10-2 से जीत दर्ज की. फाइनल में तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर अल्काराज ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए. बता दें कि, अल्काराज मैच में दो सेट से पिछड़ रहे थे और उन्होंने तीसरे और चौथे सेट में भी शानदार वापसी की. दो सेट से पिछड़ने के बाद फ्रेंच ओपन का फाइनल जीतने वाले बहुत कम खिलाड़ी हुए हैं.

इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराया

0-2-0 की अजेय बढ़त के साथ टी20 सीरीज की अपने नाम

ब्रिस्टल,09 जून। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बाच काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल पर खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट से जीत दर्ज की. इस शानदार जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 2-0 की अजेय बढ़त बनाकर 3 मैचों की सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया. हैरी ब्रूक की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम ने वेस्टइंडीज द्वारा दिए गए 197 रन के विशाल लक्ष्य को 18.3 ओवर में 199 रन बनाकर हासिल कर लिया और मेहमानों पर एक रोमांचक जीत दर्ज की.

इस मुकाबले में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और मैच की पहली ही गेंद में इंग्लैंड के घातक तेज गेंदबाज ल्यूक वुड ने सलामी बल्लेबाज एविन लुईस को गोल्डन डक कर दिया. इसके बाद जॉनसन चार्ल्स (47) और कप्तान शाई होप (49) ने टीम की पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी कर वापसी कराई. फिर आखिरी ओवरों में रॉवमैन पॉवेल (15 गेंदों में 34 रन) और जेसन होल्डर (9 गेंद में 29* रन) ने धुआंधार पारी खेलकर मेहमानों का स्कोर 196 तक पहुंचा दिया.

वेस्टइंडीज द्वारा दिए गए 197 रन के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड की शुरूआत भी खराब रही, क्योंकि ओपनर बल्लेबाज जेमी स्मिथ सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. हालांकि, शेफर्ड द्वारा आउट किए जाने से पहले बेन डकेट (30) ने कुछ शानदार शॉट्स दिखाए. इसके बाद जोश बटलर (47), कप्तान हैरी ब्रूक (34), जैकब बेथेल (26) और टॉम बैंटन (30) ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की खूब क्लास लगाई. इंग्लैंड ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 196 रन के लक्ष्य को बौना साबित करते हुए 18.3 में लक्ष्य हासिल कर मैच और सीरीज दोनों अपने नाम की.

621 दिन बाद वापसी कर रहे इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ल्यूक वुड को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया. वुड ने मैच की पहली ही गेंद एक बेहतरीन यॉर्कर फेंकी और एविन लुईस को एलबीडब्ल्यू कर दिया. इस विकेट के साथ ही वुड टी20ठ्ठ मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले इंग्लैंड के तीसरे गेंदबाज बन गए. उनसे पहले सिर्फ 2 इंग्लिश गेंदबाज स्टीव फिन और डेविड विली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं.

बीसीसीआई ने घरेलू कार्यक्रम में किए बदलाव, दिल्ली को मिली वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी

नईदिल्ली,09 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 में घरेलू सीरीज के कार्यक्रम में कुछ बदलाव किए हैं। दरअसल, इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारतीय क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी हैं।

इन दोनों सीरीज की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई ने कुछ बदलाव किए हैं। इसके साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के कार्यक्रम को लेकर भी बोर्ड ने अपडेट दिया है।

बीसीसीआई के अपडेट के मुताबिक, वेस्टइंडीज की टीम 2 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सीरीज का पहला टेस्ट खेलेगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट, जो 10 अक्टूबर को कोलकाता में शुरू होने वाला था, उसे नई दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया है।

बदले में, कोलकाता अब भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। इससे पहले ये मैच दिल्ली में खेला जाना तय था।

इस बीच, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज होनी थी।

आउटफील्ड और पिचों के पुनर्निर्माण के कारण अब सीरीज को स्थानांतरित कर दिया गया है।

अब नए अपडेट के अनुसार, चंडीगढ़ सीरीज के पहले 2 वनडे की मेजबानी करेगा और सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच नई दिल्ली में खेला जाएगा।

छोटी खबरें

पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर जीता दूसरा यूईएफए नेशंस लीग खिताब, फूट-फूटकर रोए रोनाल्डो

म्यूनिख (जर्मनी),09 जून। पुर्तगाल को यूईएफए नेशंस लीग दो बार जीतने वाला पहला देश बनते देखकर स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रो पड़े. पुर्तगाल ने म्यूनिख में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ के बाद स्पेन को पेनल्टी में 5-3 से हराया. पुर्तगाली स्ट्राइकर ने अपनी टीम के लिए दूसरा बराबरी का गोल किया, लेकिन चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. कांटे के फाइनल मैच में, दोनों टीमों ने शुरू से ही आक्रामक तेवर दिखाए. स्पेन की ओर से मार्टिन जुबिमेंडी ने गोल करके मैच में बेहतरीन खेल दिखाया. लेकिन, 5 मिनट बाद नूनो मेंडेस ने पुर्तगाल को बराबरी दिलाने में मदद की. हालांकि, हाफटाइम के समय मिकेल ओयारजाबल ने बेहतरीन फिनिश करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया. दूसरे हाफ के 15 मिनट बाद आखिरकार सुपरस्टार रोनाल्डो ने एक्शन दिखाया और उन्होंने अपने करियर का 938वां गोल करके मैच को 2-2 से बराबर कर दिया. नियमित समय में रोनाल्डो के लंगड़ाते हुए बाहर जाने के बावजूद, पुर्तगाल ने अतिरिक्त समय में दबाव बनाया. हालांकि, दोनों टीमें नियमित समय में जीत दर्ज करने में विफल रहीं और मैच पेनल्टी में चला गया. अंत में पुर्तगाल की 5-3 से जीत सुनिश्चित करने वाले निर्णायक पेनल्टी पर रूबेन नेवेस ने गोल किया. रोनाल्डो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 88वें मिनट में बाहर होना पड़ा. अपने शानदार करियर की तीसरी इंटरनेशनल ट्रॉफी जीतने पर वह खुशी मनाने के लिए मैदान पर दौड़े और फिर फूट-फूट कर रोने लगे. बता दें कि, यह रोनाल्डो की दूसरी यूईएफए नेशंस लीग जीत थी और उन्होंने 2016 में यूरो कप भी जीता था. रोनाल्डो ने मैच के बाद स्पोर्ट टीवी से बात करते हुए कहा, कितनी खुशी की बात है. सबसे पहले इस पीढ़ी के लिए, जो इस तरह के खिताब की हकदार थी, हमारे परिवारों के लिए. मेरे बच्चे यहां आए, मेरी पत्नी, मेरा भाई, मेरे दोस्त. पुर्तगाल के लिए जीतना हमेशा खास होता है. मेरे पास क्लबों के साथ कई खिताब हैं, लेकिन पुर्तगाल के लिए जीतना इससे बेहतर कुछ नहीं है. यह आंसू हैं. यह कर्तव्य का निर्वहन है और बहुत खुशी है. उन्होंने कहा, जब आप पुर्तगाल के बारे में बात करते हैं, तो यह हमेशा एक खास एहसास होता है. इस पीढ़ी का कप्तान होना गर्व का स्रोत है. एक राष्ट्रीय टीम में खिताब जीतना हमेशा शिखर होता है.

आज सुजलॉन एनर्जी के शेयरों पर टिकी निवेशकों की नजर, एक साथ बिकेंगे 20 करोड़ शेयर

मुंबई, 09 जून। सोमवार को ट्रेडिंग सेशन के दौरान सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों पर सबकी नजर रहेगी. वैसे कारोबारी सप्ताह के पहले दिन रिपोर्ट के बावजूद सुजलॉन के शेयक बढ़ोतरी के साथ खुले. आज सुजलॉन के शेयर इसलिए फोकस में रहेंगे क्योंकि सोलर एनर्जी क्षेत्र की इस कंपनी की प्रमोटर इकाई ब्लॉक डील के जरिए शेयर बेचने की संभावना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, तांती फैमिली एंड ट्रस्ट सोमवार को ब्लॉक डील के जरिए 20 करोड़ रुपये के शेयर बेचने की योजना बना रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल इस डील के लिए एकमात्र ब्रोकर की भूमिका निभाएगा. रिपोर्ट के अनुसार कंपनी तांती फैमिली एंड ट्रस्ट 1.4 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी 64.75 रुपये प्रति शेयर पर बेचने की संभावना है, जो शुक्रवार को 66.74 रुपये के पिछले बंद भाव से लगभग 3 फीसदी छूट दिखाता है. यह डील करीब 1,295 करोड़ रुपये का है, जिसमें 180 दिन की लॉक-इन अवधि शामिल है, जो इस अवधि के समाप्त होने तक आगे की बिक्री को दिखाती है. 31 मार्च 2025 तक कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, प्रमोटरों के पास सुजलॉन एनर्जी में 13.25 फीसदी हिस्सेदारी या 180.87 करोड़ इक्विटी शेयर थे.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

परिवार नियोजन और आधुनिक गर्भनिरोधकों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इंफ्लुएंसर्स और विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित

रायपुर : सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, मीडिया प्रतिनिधियों , सामुदायिक रेडियो स्टेशनों, सरकारी प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ऑनलाइन क्षेत्रीय चर्चाः परिवार नियोजन और आधुनिक गर्भनिरोधन पर बातचीत को आगे बढ़ानाष् में भाग लिया। यह एक सक्रिय और संवादात्मक कार्यशाला थी, जिसका उद्देश्य परिवार नियोजन (एफपी) से जुड़े जन चर्चा को सशक्त बनाना और जनजागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यशाला ने तकनीकी विशेषज्ञों और कंटेंट क्रिएटर्स के बीच चर्चा और सहयोग को प्रोत्साहित किया, जिससे परिवार नियोजन के बारे में फैली गलत धारणाओं को दूर किया जा सके और सटीक जानकारी का व्यापक प्रसार हो सके। ग्लोबल हेल्थ स्ट्रैटेजीज (जीएचएस) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में झारखंड और छत्तीसगढ़ से ३२ प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, पत्रकार, सामुदायिक रेडियो स्टेशन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा सरकारी प्रतिनिधि शामिल थे। इन सभी का साझा उद्देश्य यह था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के एक अहम पक्ष के रूप में परिवार नियोजन पर सूचित और समृद्ध चर्चा को बढ़ावा दिया जा सके।

डॉ. खेमराज सोनवानी, स्टेट नोडल ऑफिसर - कंट्रोल एंड डिमांड सेंटर. छत्तीसगढ़ ने भारत के परिवार नियोजन के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। साथ ही, एफपी२-०३० प्रतिबद्धता के तहत, समानता, युवाओं की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण देखभाल पर प्राथमिकता दी गई, ताकि हर व्यक्ति और दंपति को उनकी जरूरत के अनुसार गर्भनिरोधक तरीका उपलब्ध हो सके।

डॉ. बीनू कुशवाह, जो कि एसएसएमसी, रीवा में प्रसूति और स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर हैं, ने सामाजिक-सांस्कृतिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जो विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए परिवार नियोजन को अपनाने में बाधा बनती हैं। डॉ. अर्चना कुमारी, प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ, राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रांची, ने भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें इंजेक्टेबल्स, इम्प्लांट, गर्भनिरोधक गोलियाँ, कंडोम, आईयूडी आदि शामिल हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि परिवार नियोजन न केवल अनचाही गर्भावस्था को रोकने का एक तरीका है, बल्कि यह असुरक्षित गर्भपात से भी बचाव करता है, जो मातृ मृत्यु का एक प्रमुख कारण बन सकता है। हालांकि इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी कई समुदायों में गलत जानकारी और सामाजिक रोक अब भी परिवार नियोजन (एफपी) सेवाओं तक पहुँच को बाधित करते हैं। परिवार नियोजन महिलाओं के सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। इस कार्यशाला में इन मिथकों को दूर करने, अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और यह उजागर करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया कि परिवार नियोजन व्यक्तिगत कल्याण और राष्ट्रीय प्रगति में किस प्रकार योगदान देता है। कार्यक्रम की रोचक चचाओं का संचालन लेखिका और पत्रकार अनु शक्ति सिंह ने किया, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि विविध दृष्टिकोण शामिल किए जाए। डॉ. निहारिका मल्होत्रा, जो कि एक प्रमुख फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट और कंटेंट क्रिएटर हैं, जिन्हें ष्डॉक्टर मम्मीष के नाम से जाना जाता है, ने परिवार नियोजन से संबंधित कंटेंट को रिलेटेबल और सम्मानजनक तरीके से प्रस्तुत करने के कुछ सुझाव साझा किए।

यह कार्यशाला जानबूझकर संवादात्मक रूप में तैयार की गई थी, ताकि इंफ्लुएंसर्स और विशेषज्ञ सामान्य चुनौतियों और संभावित समाधानों पर सीधे चर्चा कर सकें।

अल्काटेल ने भारत में अपने बहुप्रतीक्षित वी3 सीरीज की लन्चिंग की घोषणा की

रायपुर। फ्रांस की जानी-मानी टेक्नोलजी ब्रांड अल्काटेल ने भारत में अपने बहुप्रतीक्षित वी३ सीरीज की लन्चिंग की घोषणा की है। इस सीरीज में तीन नए स्मार्टफोन शामिल हैं वी३ अल्ट्रा, वी३ प्रो और वी३ क्लासिक, जिन्हें खास तौर पर भारत के युवाओं के लिए बनाया गया है। ये स्मार्टफोन भारत में पहली बार एनएक्सटीपेपर डिस्प्ले तकनीक के साथ आए हैं, जो डिस्प्ले टेक्नोलजी की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि है। लन्च पर बात करते हुए अतुल विवेक, चीफ बिजनेस अफिसर, नेक्स्टसेल इंडिया ने कहा अल्काटेल को गर्व है कि हम भारत में पहली बार पेटेंटेड एनएक्सटीपेपर डिस्प्ले तकनीक लेकर आ रहे हैं। इससे इनोवेशन, यूजर कंफर्ट और बेहतर प्रोडक्टिविटी मिलती है। ये लन्च स्मार्टफोन यूज करने का तरीका बदल देगा, चाहे पढ़ना हो, बनाना हो या फिर यादगार पल कैप्चर करना। हम ऐसे डिवाइसेस लेकर आ रहे हैं जो परफर्मेंस और डिजाइन में तो बेहतरीन हैं ही, साथ ही यूजर की सेहत और उनकी सहूलियत का भी पूरा ध्यान रखते हैं। अंश राठी, चीफ अपरेटिंग अफिसर, नेक्स्टसेल इंडिया ने कहा भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए हम पूरी तरह च्मेक इन इंडियाज विजन के साथ काम कर रहे हैं। अपनी मैन्युफैक्चरिंग यहीं लोकल करने से हम सप्लाई चेन को और बेहतर बना पाएंगे, क्वालिटी कंट्रोल मजबूत करेंगे और भारत की बढ़ती टेक्नोलजी इंडस्ट्री में अहम योगदान देंगे। ये इन्वेस्टमेंट हमारी लन्ग-टर्म प्लानिंग का हिस्सा है ताकि भारतीय यूजर्स को बेहतरीन क्वालिटी और सुलभ टेक्नोलजी मिल सके।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला, सेंसेक्स 385 अंक उछला, निफ्टी 25,160 पर

मुंबई, 09 जून। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 385 अंकों की उछाल के साथ 82,610.70 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.63 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,160.10 पर खुला.

कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 746 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,188.99 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 1.02 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,003.05 पर बंद हुआ.

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक बड़ी राहत देते हुए नीतिगत रेपो दर में 50 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की, जिसके बाद शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली. कोचीन शिपयार्ड, बीएसई लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, आजाद इंजीनियरिंग, बजाज फाइनेंस एनएसई पर सबसे ज्यादा सक्रिय शेयरों में शामिल रहे.

कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि एचडीएफसी लाइफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, सन फार्मा के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5-0.5 फीसदी की बढ़त हुआ. मीडिया को छोड़कर, सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि रियल्टी इंडेक्स में 4 फीसदी की बढ़त हुई.

शहीद आकाश की वीरता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को राष्ट्र सदैव स्मरण रखेगा - सिंहदेव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी हमले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश राव गिरपुंजे के शहीद होने की खबर से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को राष्ट्र सदैव स्मरण रखेगा। देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले मां भारती के वीर सपूत को सादर नमन। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें, शोकाकुल परिवारजनों को दुख की घड़ी में संबल एवं घायलों को शीघ्र-अति-शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

न्यूज गैलरी

शहीद आकाशराव गिरपुंजे के परिजनों से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक उपाध्याय

रायपुर। नक्सली हमले में शहीद हुए एडिशनल एसपी आकाशराव गिरिपुंजे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह न केवल गिरपुंजे परिवार की, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की अपूरणीय क्षति है। विकास उपाध्याय ने कहा, शहीद आकाशराव गिरिपुंजे एक बेहद नेक, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी थे। रायपुर में पदस्थापना के दौरान मुझे उनकी कार्यशैली को निकट से देखने का अवसर मिला था। उन्होंने हमेशा सेवा, समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश की।उन्होंने बताया कि वे आकाशराव को व्यक्तिगत रूप से भी जानते थे और उनके परिवार से आत्मीय संबंध रहे हैं। उनके चाचा बसंत गिरपुंजे से पारिवारिक जुड़ाव रहा है। इस दुःखद क्षण में हम सभी गिरपुंजे परिवार के साथ हैं।

आकाश राव गिरीपुंजे के निधन से आज पाटन का पूरा क्षेत्र है शोक संतप्त - बघेल

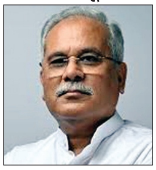

रायपुर। सुकमा में नक्सलियों द्वारा बिछाए आइईडी की चपेट में आने से कोंटा एएसपी आकाश राव गिरीपुंजे के शहीद हो गए। उनके निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री व पाटन विधायक भूपेश बघेल ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। ईश्वर पुण्यात्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवारजनों को इस अपार दुःख को सहन करने का सामर्थ्य दें।इस घटना में घायल जवानों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। श्री गिरीपुंजे जी पाटन के दो साल से अधिक समय तक एसडीओपी रहे। आज पाटन का पूरा क्षेत्र शोक संतप्त है, वे एक अच्छे अधिकारी के रूप के जाने जाते हैं।

सुकमा आइईडी ब्लास्ट में पुलिस अधिकारी के शहीद होने पर राज्यपाल ने जताया शोक

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज नक्सलियों द्वारा सुकमा के डोंड्रा के निकट किए गए आईईडी विस्फोट में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश राव गिरीपुंजे के शहीद हो जाने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। राज्यपाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। राज्यपाल ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

आकाश का बलिदान हमें प्रेरित करता है, हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक बस्तर को नक्सल-मुक्त न कर दें - सुंदरराज पी.

जगदलपुर। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने सुकमा में नक्सलियों की आईईडी विस्फोट में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे के बलिदान को लेकर कहा कि नक्सलियों द्वारा किए गए कायराना हमले में एक ऐसे वीर योद्धा को खोना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, जो हर चुनौती का साहस पूर्वक सामना करता था, यह बलिदान हमें भावुक करता है, और साथ ही हमारे कर्तव्य के प्रति हमारे संकल्प को और अधिक दृढ़ बनाता है। सुंदरराज पी. ने स्पष्ट किया कि बलिदानी आकाश राव गिरपुंजे का सर्वोच्च बलिदान हमें प्रेरित करता है, और यह संदेश देता है, कि हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक बस्तर को पूरी तरह नक्सल-मुक्त न कर दें। उन्होने कहा कि वर्तमान में नक्सली संगठन पूरी तरह से हतोत्साहित और कमजोर हो चुका है, और उसमें अब सीधे सुरक्षाबलों से टकराने की भी हिम्मत नहीं बची है। इसी कारण वे हमारे जांबाज जवानों, वीर योद्धा और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट, ग्रामीणों की हत्या और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने जैसे कायरतापूर्ण षड्यंत्र रच रहे हैं। नक्सलियों का यह कायराना षड्यंत्र हमारे हौसले को कम नही कर सकता। हमारी यह अटूट प्रतिबद्धता है कि हम नक्सलवाद का समूल नाश करेंगे।

शहीद आकाश राव का इस तरह असमय जाना अत्यंत दुखद - आकाश

रायपुर। आज सुबह सुकमा में हुए बेहद ही दर्दनाक नक्सली हमले में शहीद हुए रायपुर और छत्तीसगढ़ के लाल राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सुकमा एडिशनल एसपी स्व श्री आकाश राव गिरिपुंजे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के छाया विधायक और युवा कांग्रेस छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह न केवल गिरिपुंजे परिवार की,बल्कि संपूर्ण रायपुर व छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है। आकाश शर्मा ने कहा, "शहीद श्री आकाश राव गिरिपुंजे जी एक बेहद साफ दिल,ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी थे। रायपुर में बचपन से उनके साथ मिलना जुलना रहा बड़े भाई की तरह हमेशा उन्होंने सही मार्ग पर चलने की बात कहते थे, रायपुर में पदस्थापना के दौरान मुझे उनकी प्रशासनिक कार्यशैली को निकट से देखने और समझने का अवसर मिला। उन्होंने हमेशा सेवा, समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश की।" उन्होंने बताया कि वे शहीद आकाश राव जी को व्यक्तिगत रूप से भी जानते थे और उनके परिवार से आत्मीय संबंध रहे हैं। "उनके चाचा बसंत गिरिपुंजे से पारिवारिक जुड़ाव रहा है उनके छोटे भाई आशीष से भी मधुर संबंध है। इस दुःखद क्षण में हम सभी गिरिपुंजे परिवार के साथ हैं। आकाश शर्मा ने कहा कि "शहीद आकाश राव जी का इस तरह असमय जाना अत्यंत दुखद है। हमें अभी भी विश्वास नहीं हो रहा कि वह अब हमारे बीच नहीं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे शहीद आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।" छत्तीसगढ़ और रायपुर के लाल को हमारी ओर से सादर श्रद्धांजलि और श्रद्धा सुमन अर्पित करते है।

11 को जगन्नाथ महाप्रभु करेंगे स्नान, 26 को नेत्र उत्सव व 27 को निकलेगी भव्य रथयात्रा

रायपुर। भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की द्वादश यात्राओं में से एक स्नान यात्रा 11 जून को पूरे विधि विधान के साथ सम्पन्न की जायेगी। जेष्ठ पूर्णिमा के दिन श्री विग्रहों की पवित्र स्नान यात्रा अनुष्ठित होती है। प्रातः काल में मंगलार्पण के उपरांत विग्रहों को डोर लगाने के बाद घण्टा, काहाल और छत्री सहित स्नान मण्डप के लिये यात्रा की शुरूआत होगी। 26 जून को नेत्र उत्सव मनाया जाएगा व 27 जून को गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से भव्य रथयात्रा निकलेगी। राज्य के संरक्षक महामहिम राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित समस्त मंत्रीगण, स्थानीय विधायक एवं गणमान्य नागरिकगण इस दौरान उपस्थित रहेंगे।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के संस्थापक, अध्यक्ष एवं विधायक पुरन्दर मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि 11 जून को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभू की स्नान यात्रा जगन्नाथ संस्कृति के अनुरूप सम्पन्न की जायेगी। देवी शीतला के सामने होने वाले सुना कूअ नाम के कूप से 108 कलशों के अभिमंत्रित जल से शास्त्रोक्त विधि के अनुसार श्री विग्रहों का स्नान सम्पन्न होगा। इसके बाद स्नानवेदी पर विराजमान श्री विग्रहों को हाथीवेश या गजानन वेष से अलंकृत किया जाएगा। स्नान पूर्णिमा से आषाढ़ अमावस्या तक श्री विग्रह अणसर (अस्वस्थ या क्वारंटाईन) में श्री जगन्नाथ प्रभू चले जाएंगे। 26 जून को जगन्नाथ का नेत्र उत्सव होगा, इसके पश्चात 27 जून को रथ यात्रा अत्यंत ही धूम धाम से निकाली जाएगी।

संवैधानिक हक अधिकारों के लिए राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन 11 को

रायपुर। बाबा साहब अम्बेडकर ने संविधान सभा के भाषण में कहा था कि राजनीतिक समानता का कोई अर्थ नहीं है यदि सामाजिक और आर्थिक समानता सुनिश्चित न हो। उन्होंने लोकतांत्रिक समाजवाद की वकालत की ताकि आर्थिक असमानता कम हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास हो। बाबा साहब के विचारों के क्रियान्वयन के लिये छत्तीसगढ़ राज्य आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रस्ताव पर सर्व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के समाज प्रमुखों द्वारा आमसभा के निर्णयानुसार संवैधानिक मांगो के समर्थन में राजधानी रायपुर के तूता में स्थित धरना स्थल में 11 जून को राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इस धरना प्रदर्शन में छ.ग. अनुसूचित जाति, जनजाति अधिकारी, कर्मचारी संघ (अजाक्स), छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ एवं सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न अजा, अजजा समाजिक संगठन एवं अधिकारी कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

महादेव घाट के विसर्जन कुण्ड में हुए विवाद में 8 युवतियां पाई गई अनैतिक व्यापार में संलिप्त, 5 गिरफ्तार, 3 फरार

रायपुर। 5 जून 2025 की रात्रि करीब 1 बजे कुछ युवकों और युवतियों के बीच महादेव घाट स्थित विसर्जन कुण्ड में मारपीट की घटना सामने आई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस घटना के दोनों पक्षों की शिकायतों पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 228/25 और 233/25 दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। जांच के दौरान घटना में सम्मिलित 5 युवतियों को पूछताछ के लिए डीडीनगर थाना बुलाया गया। वायरल वीडियो और मोबाइल की जांच में पुलिस को चौंकाने वाले तथ्य मिले। युवतियों के मोबाइल में अनैतिक व्यापार से जुड़े फोटो, वाट्सएप चैट्स, विभिन्न ग्राहकों के साथ रेट व लोकेशन के उल्लेख वाली बातचीत पाई गई। इससे पहले भी इस गतिविधि को लेकर पुलिस को गुप्त सूचनाएं प्राप्त हुई थीं, जिनकी पुष्टि अब हो गई है। इन सबूतों के आधार पर थाना डीडी नगर पुलिस ने अपराध क्रमांक 237/25 धारा 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के तहत मामला दर्ज करते हुए 5 युवतियों को गिरफ्तार कर लिया गया, वहीं 3 युवतियां अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे मामले की विस्तृत विवेचना जारी है और जल्द ही फरार युवतियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर 2.0 के दूसरे दिन योग से की दिन की शुरूआत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नवा रायपुर परिसर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ योगासन कर चिंतन शिविर 2.0 के दूसरे दिन की शुरूआत की। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवनशैली का आधार बताते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है और हमें प्रकृति के अधिक समीप लाता है। यह योगाभ्यास न केवल एक प्रेरणादायक पहल थी, बल्कि प्रदेश में स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का भी सशक्त संदेश था।

मुख्यमंत्री साय के साथ इस योग सत्र में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा तथा आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. रामकुमार काकानी भी शामिल हुए।

मंदिर ट्रस्ट समितियों का अब बनेगा महाट्रस्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर में भू-माफियाओं द्वारा राजस्व अधिकारियों से मिलकर मंदिरों की अफरातफरी की जा रही जमीन वापसी के लिए जून के अंत में एक हजार साधुओं का जुलूस निकालकर राजस्व अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। रायपुर दत्तात्रेय मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल व रामचंद्र स्वामी मंदिर ट्रस्ट के सचिव महेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि सार्वजनिक ट्रस्ट के ट्रस्टी भू माफियाओं व राजस्व अधिकारियों से परेशान हैं। भू-माफिया राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर मंदिरों की संपत्तियों को लूट रहे हैं। मंदिर समितियों को अपनी जमीन वापस पाने बड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। मंदिरों की संपत्ति हड़पने वालों के खिलाफ अपराध दर्ज करवाने में भी मंदिर समितियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इससे देखते हुए मंदिर समितियों द्वारा एक बड़ा संगठन महाट्रस्ट का गठन पहले रायपुर स्तर पर फिर राज्य स्तर पर करने का निर्णय लिया गया है। माह के अंत तक मंदिर से जुड़े साधु-संतों के साथ ही पूरे देशभर से एक हजार साधु व नागा साधु रायपुर में एकत्रित होंगे। साधुओं की उपस्थिति में संगठन के पदाधिकारियों की घोषणा कर राजस्व अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। करीब 70 नागा साधु व 200 साधु-संतों से रायपुर आने की स्वीकृत मिल चुकी है। बाकी से संपर्क किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने दी अधिकारियों और कर्मचारियों को निजी विदेश यात्रा की अनुमति

रायपुर। राज्य सरकार ने अपने अधिकारी और कर्मचारियों को निजी विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। यह अनुमति 2011, 2015 और 2017 में जारी आदेशों को अधिक्रमित करते हुए दी गई है। इस संबंध में सचिव जीएडी अविनाश चंपावत ने सभी विभागों के सचिवों, विभागाध्यक्षों, कमिश्नर और कलेक्टरों को पत्र भेजकर कर शासन के फैसले से अवगत कराया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य के समस्त विभागों/कार्यालयों में केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय के द्वारा 'कर्मयोगी भारत के माध्यम से विकसित इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (ई-एचआरएमएस) के क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया है। सुशासन के दिशा में प्रयास करते हुए शासकीय सेवकों द्वारा निजी प्रयोजन से की जाने वाली विदेश प्रवास के अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन करते हुए इसे ई-एचआरएमएस प्रणाली से एकीकृत किया जा रहा है। अतः शासन द्वारा पूर्व में निजी विदेश प्रवाश हेतु जारी समस्त निदेर्शो को अधिक्रमित कर निर्णय लिया गया है। निजी विदेश प्रवास की अनुमति के लिए स्वीकृति सक्षम अधिकारी अर्जित अवकाश स्वीकृतकर्ता अधिकारी होगा। ऐसे शासकीय सेवक जिनका ई-एचआरएमएस में ऑनबोर्डिंग हो चुका है वह सभी निजी विदेश यात्रा की अनुमति हेतु ई-एचआरएमएस के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। प्राप्त आवेदन पत्र में यदि किसी प्रकार की कोई कमी या अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता होने पर एक सप्ताह के भीतर आवेदक को अवगत कराना अनिवार्य होगा। सभी पूर्ण आवेदनों पर 21 दिवस के भीतर स्वीकृति / अस्वीकृति का निर्णय लिया जाना आवश्यक होगा।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित ◘ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com